दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 132
मुरादाबाद
(Wednesday)
02 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जीडीपीः पीएम मोदी बोले- दुनिया संकटों से घिरी, फिर भी भारत ने हासिल की 7.8ः विकास दर ; आत्मनिर्भर बनना जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर नया वीडियो शेयर कर भारत की 7.8% विकास दर पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए आत्मनिर्भर भारत जरूरी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की 7.8 प्रतिशत आर्थिक विकास दर को लेकर देशवासियों को बधाई दी है। पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो साझा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश की सामूहिक शक्ति, संकल्प और मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और संकट के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि 7.8 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना देश के लिए खुशी की बात है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय देशवासियों की संकल्प शक्ति और पुरुषार्थ को दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया के कई हिस्से युद्ध और संकट से घिरे हैं। अलग-अलग क्षेत्रों से युद्ध की खबरें सामने आ रही हैं और वैश्विक सप्लाई चेन भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि 2020 के कोविड काल के बाद से दुनिया में स्थिरता पूरी तरह लौटती नहीं दिखी है, इसके बावजूद भारत तेज गति से प्रगति कर रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ भारत तमाम वैश्विक चुनौतियों को पार करते हुए आगे बढ़ रहा है, वहीं देश के भीतर कुछ लोग निराशा और झूठ का माहौल बनाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी चुनौतियों के बीच भारत ने 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है। अब देश को इस आर्थिक रफ्तार को बनाए रखना है और विकास की गति को और आगे ले जाना है।पीएम मोदी ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति को और मजबूत करने के लिए आत्मनिर्भर भारत का निर्माण जरूरी है। उन्होंने देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और %वोकल फॉर लोकल% के मंत्र को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों को 'मेड इन इंडिया' को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विदेशों में घूमने और शादी करने जैसी प्रवृत्तियों से बचने की भी अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर जरूरत न हो तो सोना खरीदने से भी बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश जितना अधिक स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर देगा, उतना ही भारत की आर्थिक मजबूती बढ़ेगी।पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक देश अपनी युवा पीढ़ी को विकसित भारत सौंपेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों को आज की मेहनत और संकल्प के जरिए पूरा करना होगा। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपने पुरुषार्थ में कोई कमी न रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति सही दिशा में है और नीयत साफ है। पीएम मोदी के मुताबिक, 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक शक्ति भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा रही है। उन्होंने देशवासियों से 7.8% ग्रोथ की खुशी मनाने के साथ आगे के लिए नया संकल्प लेने और उसे पूरा करने की दिशा में मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

राहुल पर भाजपा हमलावर: रविशंकर प्रसाद ने कहा- देश की छवि को कर रहे धूमिल, पीएम ने चुनौतियों को अवसर में बदला

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर नकारात्मक और कथित रूप से बेबुनियाद बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बयानों को पाकिस्तान में प्रमुखता से उठाया जाता है, जिससे भारत की छवि प्रभावित होती है। उन्होंने राहुल गांधी के 'मृत अर्थव्यवस्था' और 'आर्थिक सुनामी' जैसे बयानों की निंदा करते हुए कहा कि 2013 के 'फैजाइल फाइव' से भारत आज 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि तक पहुंचा है।भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, %लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन एक देश ऐसा है जो उनकी सभी बातों से बहुत प्रभावित होता है; और उस देश का नाम है पाकिस्तान। वे उनकी ऐसी सभी बातों को उठाते हैं और उन्हें हाईलाइट करते हुए कहते हैं, विपक्ष के नेता भारतीय अर्थव्यवस्था की खराब हालत के बारे में बात कर रहे हैं। मैं फिर से पूछूंगा; राहुल गांधी, क्या आपको जरा भी शर्म है? हो सकता है कि आप पीएम मोदी को पसंद न करते हों, भाजपा से नफरत करते हों और हर दिन आरएसएस को बुरा-भला कहते हों... लेकिन पीएम मोदी से नफरत करने और भाजपा व आरएसएस को बुरा-भला कहने के चक्कर में, क्या आप देश को भी बुरा-भला कहेंगे? भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है

नीट प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्टः सभी एफआईआर रद्द; पीड़ित परिवारों को मिलेगा मुआवजा, 2873 लोगों पर कार्रवाई क्यों?

नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने दिल्ली और चार राज्यों में दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सीजेपी ने पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस ले लिया। लेकिन 2873 ऐसे लोगों पर नई एफआईआर की इजाजत क्यों दी गई, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड बताया गया है।नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत मिले अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली और चार राज्यों में दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। साथ ही सीजेपी ने केंद्र के कदम और कोर्ट के आदेश को देखते हुए पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस ले लिया। किन राज्यों में प्रदर्शनकारी छात्रों की एफआईआर रद्द होंगी? सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के अलावा असम, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार में नीट प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। ये मामले 20 से 25 जुलाई के बीच हुए प्रदर्शन से जुड़े थे। दिल्ली पुलिस और चार राज्य सरकारों ने कोर्ट से आर्टिकल 142 के तहत इन मामलों को खत्म करने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले पर सुनवाई की और एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया। केंद्र ने प्रदर्शनकारी छात्रों के परिवारों को मुआवजे पर क्या कहा?- सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत में दिए गए भरोसे पर कायम है। उन्होंने बताया कि नीट प्रदर्शन के दौरान आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। केंद्र ने इसके लिए तीन महीने का समय मांगा है। मुआवजे का तरीका तय करने के लिए अलग-अलग राज्य सरकारों और संबंधित पक्षों से बातचीत की जाएगी।2873 लोगों पर फिर कार्रवाई क्यों होगी? कोर्ट ने प्रदर्शन से जुड़े मामलों में राहत दी है, लेकिन केंद्र को 2873 ऐसे लोगों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी है, जिनके बारे में आपराधिक इतिहास होने की बात कही गई है। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि इन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है। सुनवाई के दौरान वकील हरिहरन ने इन 2873 लोगों की सूची मांगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन लोगों के खिलाफ आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।सीजेपी ने पांच सितंबर का मार्च क्यों वापस लिया? सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कोर्ट में बताया कि संगठन ने पांच सितंबर को प्रस्तावित मार्च वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र के सकारात्मक भरोसे और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। कोर्ट ने सौरव दास का बयान दर्ज कर लिया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने भी कहा कि दोनों पक्ष अगर एक-दूसरे पर भरोसा रखें तो समस्याओं का समाधान बातचीत से किया जा सकता है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि खुले दिमाग से बातचीत की जाए तो मुश्किल से मुश्किल मुद्दे का समाधान निकाला जा सकता है। इस पर तुषार मेहता ने कहा कि सरकार और प्रदर्शनकारी दोनों पक्षों की बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक रही। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष दुश्मन नहीं हैं। इसके बाद कोर्ट ने अपनी अर्जियों में रखी गई बातों को आदेश में दर्ज किया और दिल्ली तथा चार राज्यों में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने का आदेश दिया।

भाकियू महापंचायतः ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से कमिश्नरी पहुंचे किसान, राकेश टिकैत भी शामिल, आर-पार की लड़ाई का एलान

मेरठ में भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत शुरू हो गई है। बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ कमिश्नरी पार्क पहुंचे हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत मंच से किसानों को संबोधित कर रहे हैंमेरठ मंडलायुक्त कार्यालय के बाहर भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत शुरू हो गई है। बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ कमिश्नरी पार्क पहुंचे हैं। किसानों के पहुंचने से आसपास के रास्तों पर ट्रैक्टरों की लंबी कतारें लग गई हैं। मंच पर भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत पहुंच चुके हैं और किसानों को संबोधित कर रहे हैं। आरती से हुई महापंचायत की शुरुआत- महापंचायत शुरू होने से पहले भगवान श्रीगणेश और मां सरस्वती की आरती की गई। रागिनी अंदाज में भगवान का आगमन कराया गया। इसके बाद धीरे-धीरे किसानों की भीड़ बढ़ने लगी और कमिश्नरी पार्क में महापंचायत का माहौल बनने लगा।सिख समाज के किसानों ने की हलवे की सेवा- महापंचायत में पहुंचे सिख समाज के किसानों ने हलवे की सेवा की। उन्होंने किसानों और वहां मौजूद लोगों को हलवा बांटा। इस दौरान सेवा भाव के साथ किसानों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली। ट्रैक्टर, गद्दे और खाने का सामान लेकर पहुंचे किसान- भाकियू की महापंचायत में शामिल होने के लिए किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ पहुंचे।

सीएम योगी के खिलाफ दायर किया मानहानि का मुकदमा, मछली खाने के आरोप से आहत अजय राय पहुंचे सिविल कोर्ट

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अजय राय का आरोप है कि अयोध्या में उनके मछली खाने को लेकर लगाए गए आरोप झूठे और आपत्तिजनक हैं। उन्होंने कहा कि इन आरोपों से उनकी सार्वजनिक छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अजय राय का आरोप है कि अयोध्या में उनके मछली खाने को लेकर मुख्यमंत्री की ओर से लगाए गए आरोप झूठे और आपत्तिजनक हैं। इससे आहत होकर उन्होंने मंगलवार को लखनऊ की सिविल कोर्ट में मानहानि का दावा दाखिल किया।अजय राय का कहना है कि उनके खिलाफ गलत तथ्य प्रस्तुत कर उनकी सार्वजनिक छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसी को आधार बनाकर उन्होंने न्यायालय का रुख किया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति के बारे में गलत और तथ्यहीन आरोप लगाना गंभीर विषय है। उन्होंने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से जवाब देने की बात कही है।

यह चुनाव आयोग नहीं वोट चोरी आयोग: राहुल गांधी का ईसी पर हमला;महाराष्ट्र में एसआईआर के बाद मचा सियासी घमासान

एसआईआर प्रक्रिया के बाद महाराष्ट्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 2.06 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को चुनाव आयोग और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और वोट चोरी आयोग अपनी रणनीति बदलते रहते हैं और आगे भी ऐसा ही करते रहेंगे, क्योंकि उनका एकमात्र मकसद किसी भी कीमत पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करना और भारत के लोकतंत्र को खत्म करना है।एसआईआर प्रक्रिया के बाद महाराष्ट्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 2,06,88,487 मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हो पाए हैं। इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने BJP और चुनाव आयोग पर %वोट चोरी% का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, बड़ी संख्या में मतदाता अपने पते पर नहीं मिले, घर बदल चुके थे, उनकी मृत्यु हो चुकी थी या उनके नाम डुप्लीकेट थे। वहीं, जिन पात्र मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं हैं, उन्हें 30 सितंबर तक दावा-आपत्ति दर्ज कराने का मौका दिया गया है। अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को जारी होगी। %वोट चोरी से बनी सरकार के लिए जनता महत्वपूर्ण नहीं%- राहुल गांधी ने कहा कि %वोट चोरी% के जरिए बनी सरकार के लिए जनता महत्वपूर्ण नहीं है। यही वजह है कि क्ष्ढ्ढक्क न तो लोगों की बात सुनती है और न ही उनके आदेश का पालन करती है।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, %भाजपा और %वोट चोरी आयोग% अपनी चालें बदलते रहते हैं और आगे भी ऐसा ही करेंगे - मकसद बस एक ही है- किसी भी कीमत पर भाजपा की जीत और भारत के लोकतंत्र का खात्मा।%एसआईआर के बाद 2.06 करोड़ से ज्यादा नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोमवार को बताया कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (स्ढ्क्र) के बाद तैयार की गई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 2.06 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हैं। यह संख्या महाराष्ट्र के पिछले वोटर बेस का 21.14 प्रतिशत है। ड्राफ्ट लिस्ट में अब 7.71 करोड़ से ज्यादा मतदाता- राज्य के चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में अब 7.71 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं, जो पिछले वोटर बेस का 78.86 प्रतिशत है। इनमें 3.95 करोड़ पुरुष, 3.75 करोड़ महिलाएं और 3,087 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 2,06,88,487 मतदाताओं के फॉर्म नहीं हो पाए जमा- अधिकारियों ने बताया कि कुल 2,06,88,487 लोगों को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किया गया है। इनके एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं हो पाए। नहीं मिले, जिनकी मृत्यु हो चुकी है या जिन्होंने अपना घर बदल लिया है। राहुल ने महाराष्ट्र, बंगाल और 2024 के चुनावों का किया जिक्र- इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा, %महाराष्ट्र 2024 -- अचानक, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच 39 लाख नए वोटर्स जोड़े गए। मैंने तब भी कहा था और आज भी कह रहा हूं- यह वोट चोरी थी। उन्होंने आगे कहा, बंगाल 2026 -- स्ढ्क्र में जिन लोगों के नाम हटाए गए थे, उनमें से 91% को अपील के बाद वापस जोड़ना पड़ा। इसका मतलब है कि हर 10 में से 9 नाम गलत तरीके से हटाए गए थे और चुनाव के बाद ही उन्हें वापस जोड़ा गया। मैंने तब भी कहा था और आज भी कह रहा हूं- यह वोटों की चोरी थी।% %महाराष्ट्र में हर पांचवां वोटर लिस्ट से बाहर%- राहुल गांधी ने महाराष्ट्र की मौजूदा स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, %और अब महाराष्ट्र में, ड्राफ्ट लिस्ट से 2.07 करोड़ वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं - यानी हर पांचवां वोटर लिस्ट से बाहर है।% राहुल ने पूछा- कौन सी वोटर लिस्ट सही थी?- पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, %लोकसभा 2024-9.29 करोड़; विधानसभा 2024-9.7 करोड़; SIR 2026-7.78 करोड़। कौन सी लिस्ट सही थी? जो सरकार वोटों की चोरी पर बनी हो, उसके लिए जनता अहम नहीं होती - इसीलिए यह BJP न तो जनता की बात सुनती है और न ही उनके आदेश का पालन करती है।% स्ढ्क्र से पहले महाराष्ट्र में थे 9.78 करोड़ वोटर- स्ढ्क्र शुरू होने से पहले महाराष्ट्र में कुल 9.78 करोड़ मतदाता थे। इनमें से 78.86 प्रतिशत मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर रोल में शामिल हो पाए हैं। पुणे में सबसे ज्यादा फॉर्म जमा नहीं हो पाए- अधिकारियों के अनुसार, पुणे में सबसे ज्यादा 28.6 लाख एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं हो पाए। इसके बाद ठाणे में 28.5 लाख, मुंबई उपनगर में 26.5 लाख, नागपुर में 14.43 लाख, नासिक में 10.27 लाख और मुंबई शहर में 9.5 लाख फॉर्म जमा नहीं हो सके।

संपादकीय Editorial

Flood in Nepal

Another earthquake has struck Nepal, placing six districts in Bihar and some in Uttar Pradesh on alert. NDRF teams are also deployed there. This catastrophe has proven to be catastrophic, devastating, and devastating all areas, people, and projects within its reach. Approximately 22 concrete bridges were destroyed, approximately 12 hydroelectric projects were destroyed or damaged, 431 megawatts of power projects were destroyed, highways were shredded, buildings, hotels, restaurants, rest houses, and villages were swept away by the deluge. Nearly 60 houses were razed to the ground, 12 hospitals were leveled, and a nearly 1,000-ton bridge was destroyed. The beautiful Chinese immigration office building in Nepal also remained untouched. Is this catastrophe an act of nature's anger, or is humanity preparing its own "mass destruction"? Even after such tragedies, the answer to this question remains unresolved. Mountains are being hollowed out, and experts are calling them "highly sensitive," yet roads, tunnels, bridges, dams, hydroelectric projects, and other construction continue unabated. Destruction is not feared either! China is working on a plan to build a railway by cutting mountains in this area. If this happens, natural disasters will occur again and again, reminding us that humans are very "dwarf" creatures. However, between late Wednesday night and Thursday morning, a total of 844 people were reported missing. Among them were 37 NRIs and over 300 Indians. About 225 employees and workers were also reported unreachable.

Among the Kailash Mansarovar pilgrims, 77 are members of the Isha Foundation, who are reported missing. A 4.4 magnitude earthquake struck Tibet, bordering Nepal. Just three minutes later, an "ice avalanche" began. Satellite images clearly show that a 2,000-foot-wide chunk of ice broke off from the glacier and fell from an altitude of approximately 17,000 feet. Where it landed, it created a crater like a bomb explosion, and the water in the Lhende River accumulated, forming a temporary lake. Under pressure, the lake broke, and a catastrophic flood of water, ice, and debris descended. It headed toward the Bhotekoshi River on the Nepal-Tibet border. Satellite images had shown the ice sheet rapidly disappearing a day earlier. Rising temperatures could have caused the glacier to melt or trigger an "avalanche." However, the reality that has emerged is devastating and terrifying. We have witnessed similar destruction, devastation, and devastation in the disasters of Kedarnath and Uttarkashi. By Thursday morning, more than 175 deaths had been confirmed, but experts fear the toll could reach 1,000! The good news is that 3,318 lives have been saved in the rescue operation. This figure is extremely valuable in a catastrophic situation. Although the impact of the disaster has subsided, the mud, roads are broken, and the weather remains poor, making road operations virtually impossible. Soldiers rescued people using helicopters. Indian transport aircraft have delivered more than 50 tons of relief supplies. These supplies are being sent to the stranded people. Indian Prime Minister Modi spoke with Nepal's Prime Minister Balen Shah by phone and assured him of all possible assistance. However, "extreme alert" has been issued in East and West Champaran, Muzaffarpur, Gopalganj, Saran, Vaishali districts of Bihar and Maharajganj, Kushinagar, Gorakhpur, Balrampur, and Siddharthnagar districts of Uttar Pradesh. The Narayani River in Bihar crossed the "danger level" mark on Thursday morning, but the Gandak River's water level was satisfactory. All 36 barrage gates were opened, and 136,000 cusecs

Why is "A Journey of Love" turning into political bitterness?

Sonia Gandhi's book, "Belonging: A Journey of Love," offers a close look at her personal life, family, and long journey in Indian politics. The book focuses on her experiences, including meeting Rajiv Gandhi, becoming part of the Gandhi family, the pain of losing both Indira Gandhi and Rajiv Gandhi, and her entry into politics. The refusal of publisher Penguin Random House India to publish Congress leader Sonia Gandhi's book, "Belonging: A Journey of Love," (in Hindi, "Rishte: Ek Safar Pyar Ka"), in India and the release of a formal statement in this regard is an unusual development. This statement has raised many questions and suspicions, and has even sparked a political uproar.

Generally, whether or not a book is published is a matter between the author and publisher, and both are responsible for what, how, and about whom is written in the published book. But what are those things or facts that the publisher did not want to publish, and which the author wanted to include in the book at all costs? Congress alleges that the publisher did so under pressure from the Modi government, while the BJP has completely denied this.

But since this book is being published abroad, the alleged 'controversial things or facts' that led Penguin to refuse to publish the book will surely become public. The publisher must be aware of this, yet why did it refuse to publish the book, and what is the secret behind it? This will either be revealed after the book is released into the public domain, or if Sonia Gandhi herself speaks out about it. Surprisingly, Sonia Gandhi did not comment on Penguin's refusal to publish the book. However, the publisher's official statement and some media reports suggest that the publisher had asked the author to make some 'editorial changes' to the book, but Sonia Gandhi refused.

In a statement, the publisher, Penguin India, said it is not the publisher of "Belonging: A Journey of Love" in India. The decision not to publish the book was made because the author rejected editorial changes that do not accurately reflect the circumstances. As a publisher, it is both our privilege and responsibility to fact-check and provide suggestions to the author that are in the best interest of both the book and the author.

Penguin also stated that it would not comment on confidential discussions with the author.

This statement has further fueled suspicion. It is noteworthy that the release of this highly anticipated book is scheduled for November 10th.

It is also interesting that while Congress leader Rahul Gandhi is criticizing the book "Manusmriti," written 2,250 years ago, for its allegedly objectionable passages, his party is simultaneously targeting the Modi government for allegedly blocking the publication of the book. In the first case, the expressed views are being cited as a cause of discrimination in society, while in the second, the "removal" of the views expressed in the book is being linked to a violation of freedom of expression.

The meaning of "belonging"—the English word "belonging" in Hindi means property or relationships. What is Sonia Gandhi definitely referring to? It's likely about relationships. So, what is there in the book about relationships that forced the publisher to back out?

As for Mrs. Sonia Gandhi, she was the daughter-in-law of India's number one political family and settled in India after marrying her husband and beloved Rajiv Gandhi. She entered direct politics much later, but has been a witness, critic, and sometimes even decisive figure in India's turbulent political, economic, and social journey over the past six decades, from the rise of the Indira Gandhi era to the Modi era.

Despite numerous personal criticisms, Sonia Gandhi maintained her dignity and voluntarily relinquished the post of Prime Minister. Clearly, as an "insider," her own experiences, observations, personal joys and sorrows, and observations hold special significance. Despite being a foreign woman, the dignified manner in which she embraced her Indianness will always be remembered by history. In such a context, what Sonia thinks about contemporary history, how she views it, and what she feels, is certainly important.

In this context, Penguin's US-based subsidiary, Imprint Alfred A. Knopf, issued a statement quoting Sonia Gandhi regarding the book, stating, "Much has been written about my family, but very few narratives have reached the truth of their motivations, their actions, and even their human flaws. My story will also offer readers a unique perspective on the social and political changes I have witnessed over six decades."

Congress took aim: Meanwhile, after Penguin withdrew from publishing the book, Congress leader Kamal Nath wrote on social media that the publisher's refusal to publish the autobiography of our respected leader Sonia Gandhi is a matter of grave concern.

Does the publisher decide what a senior figure like Mrs. Gandhi should or should not write? Is the publisher saying this himself or is he under pressure? Some journalists have also said that the publishing business is under government pressure and this is an attack on freedom of expression. Congress Deputy Leader in the Lok Sabha, Gaurav Gogoi, questioned why Penguin India had previously published books on "Exam Warriors" and the RSS, but why is it now taking a different stance on Sonia Gandhi's book? In response to these allegations, BJP national spokesperson CR Keshavan said that the Congress is trying to create a narrative of fear in this matter.

BJP spokesperson Ajay Alok indirectly supported the publisher, stating that verifying the facts and figures included in a book is part of the publishing process. A publisher's fact-check or suggestion of changes cannot be considered evidence of political pressure. However, Rahul Gandhi himself, on this controversy, simply stated that saving the Constitution is more important at this time than what is being removed from which book.

The book's controversial points are certainly subject to speculation. However, the topics discussed could include India's border dispute with China, Prime Minister Narendra Modi's government and its working style, and the role of the RSS, the BJP's parent organization.

It is noteworthy that the publication of Mrs. Sonia Gandhi's much-awaited autobiography, "Belonging: A Journey of Love," was announced at an event on August 18, 2026.

This memoir was described as the most authentic account of Sonia Gandhi's personal and political life, sharing many untouched aspects. While this is not the first instance of a publisher in India withdrawing from publishing a book, it has caused a significant uproar because it directly relates to a person's personal and public life and political concerns. Some are viewing this as the author's refusal to succumb to alleged political pressure under the guise of a publisher.

This is another example of Sonia Gandhi's boldness and determination. It is also being portrayed as an attempt to suppress dissent in a democracy. The question remains: what pressure is driving the publisher to refrain from publishing a potential bestseller in India? Is this book going to reveal something that could disturb or disturb the establishment? However, until all the facts are revealed, it cannot be considered undeclared censorship.

One more thing: Nowadays, there is a growing tendency to create controversy before a film or anything else is released into the public domain. Even if it ultimately proves to be a "mountain of dust and a mouse," the business is already good.

This is a tried and tested formula for the commercial success of any work. Reports indicate that the first order for "Belonging" is for one lakh copies. Consequently, political accusations and counter-accusations will continue, and orders for the book will continue to increase.

The books are ready, the camera is ready: The changing landscape of OTT bodes well for Hindi writers and new stories.

The expansion of OTT has opened new avenues for books to reach the screen. When the stories that breathe in books reach the screen, their resonance resonates far and wide. This changing landscape bodes well for Hindi writers and new stories. Over the past few years, there has been a surge in book adaptations in Hindi cinema and OTT. Stories from different parts of India, not just in English but in other Indian languages, are becoming Hindi or Bollywood content. I believe the MAMI Film Festival's "Word to Screen" initiative played a major role in this. Then, some agents also became active, acquiring the rights to books and beginning negotiations with production houses. The occasion for this discussion today is that Netflix has announced Season 2 of the series "Musafir Cafe," which is an event in itself. I've been waiting for a contemporary Hindi book to make such a splash on the screen for ages. This is due to the positive audience response to the first season of the series, based on author Divya Prakash Dubey's book. It's natural for us Hindi writers to be excited about this news. Whether a book is literary or popular, a cinematic adaptation not only conveys its sensibility and purpose to a wider audience, but also provides the author with multifaceted rewards and satisfaction for their hard work. This isn't the first Hindi book in recent years; "Grahan," the OTT adaptation of Satya Vyas's "Chaurasi," was also highly acclaimed. The special thing about "Musafir Cafe" is that a second season is also coming. Among the cinematic adaptations of contemporary Hindi stories in recent years, I also recall "Pataakha." Vishal Bhardwaj.

गांव में ही रहेंगे लेखपाल और सचिव... डीएम का सख्त आदेश, त्योहारों पर भी पुलिस की तरह लगेगी ड्यूटी

मुरादाबाद के जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने ग्राम स्तरीय अधिकारियों को गांव में ही रहने और समस्याओं का समाधान वहीं करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने लेखपालों और ग्राम सचिवों को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ गांव की हर गतिविधि और समस्या की जानकारी रखने को कहा।आईजीआरएस की शिकायतों के निस्तारण में मौके पर पहुंचकर शिकायतकर्ता को संतुष्ट करने पर जोर-

त्योहारों पर अवकाश के बजाय पुलिस की तरह ड्यूटी निभाने और गांव में रात्रि प्रवास के दिए निर्देशग्राम स्तरीय अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है। गांव की हर गतिविधि और समस्या की जानकारी लेखपाल व ग्राम सचिव को होनी चाहिए। अधिकारी गांव में रहेंगे तो समस्याओं का समाधान गांव में ही हो सकेगा। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने मंगलवार को पंचायत भवन में आयोजित ग्राम स्तरीय अधिकारियों के प्रशिक्षण में यह बात कही।

डीएम ने कहा कि ग्राम स्तरीय अधिकारियों को नगरीय संस्कृति से दूर रहकर गांव में रहना चाहिए। गांव में रात्रि प्रवास का अलग लाभ है। इससे क्षेत्र की गतिविधियों की जानकारी के साथ इंटेलिजेंस भी मजबूत रहता है।

उन्होंने कहा कि पहले लेखपाल और सचिव गांव में रहते थे तो गांव की समस्या गांव में ही सुलझ जाती थी, लेकिन अब कई जगह ऐसी स्थिति है कि लेखपाल और सचिव गांव नहीं जाते और एक-दूसरे तक को नहीं जानते।उन्होंने अधिकारियों को अपने दायित्वों से बचने के बजाय हर जिम्मेदारी को अपना काम समझकर पूरा करने की नसीहत दी। गजेटियर की सूचना संकलन का उदाहरण देते हुए उन्होंने गुरेठा गांव में करीब 50 प्रतिशत तक अंतर मिलने की बात कही।ठाकुरद्वारा में रिपोर्ट लगाए जाने के बावजूद संबंधित लेखपाल को जानकारी न होने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। डीएम ने सरकारी भूमि और भवनों का पूरा डाटा रखने के निर्देश दिए। कहा कि सरकारी भूमि खाली और सुरक्षित रहनी चाहिए।

ग्राम कुल के व्हाट्सएप ग्रुप में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों और मानिंद लोगों को जोड़ा जाए। इसी तरह न्याय पंचायत, ब्लाक और तहसील स्तर पर भी ग्रुप बनाए जाएं, ताकि सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो सके।

मंडलायुक्त संगीता सिंह ने भी कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए कहा कि लेखपाल-कानूनगो गांव की नींव हैं। ऐसे में आप सभी अपनी जिम्मेदारी को समझें। डीएम की बातों पर पूर्णतः अमल करने की बात कही।

कार्यशाला में सीडीओ मृणाली अविनाश जोशी, एडीएम प्रशासन संगीता गौतम, एडीएम वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय, एडीएम सिटी अंकुर श्रीवास्तव, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शक्ति दूबे व एसडीएम मौजूद रहे।

आपदा और अवैध गतिविधियों पर नजर- आपदा के समय ग्राम स्तरीय अधिकारियों को पूरी तरह सचेत रहने के निर्देश दिए गए।

सचेत एप डाउनलोड कराने के साथ मिलावट, नशे, दुर्घटना और अन्य अवैध गतिविधियों की तत्काल सूचना देने को कहा। जोखिम वाले पुलों को लेकर भी सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

आईजीआरएस को बताया महत्वपूर्ण- डीएम ने आईजीआरएस को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शिकायत पर मौके पर जाना और शिकायतकर्ता को संतुष्ट करना प्राथमिकता हो। कोई वाद 15 दिन से अधिक लंबित न रहे। फार्मर रजिस्ट्री और आभा आइडी के कार्य को भी गंभीरता से पूरा करने को कहा।

तीन माह मेहनत, आगे नहीं होगी परेशानी- डीएम ने कहा कि ग्राम स्तर पर अधिकारी यदि तीन महीने पूरी गंभीरता से काम कर लें तो आगे बहुत सी समस्याएं अपने आप खत्म हो जाएंगी। गांवों को निराश्रित गोवंश से मुक्त करने, सप्ताह में एक दिन अनिवार्य सफाई अभियान चलाने और शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी शिक्षक को घर नहीं बुलाया जाएगा।

डबल वोट पर बीएलओ से करें समन्वय- मतदाता सूची में डबल वोट के मामलों पर भी डीएम ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने बताया कि करीब 250 ऐसे मतदाता पकड़े गए हैं, जिन्हें चेतावनी दी गई है। लेखपालों को बीएलओ से समन्वय कर मतदाता सूची को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई लेखपाल-सचिव अच्छा काम कर रहे हैं, अन्य भी उनसे सीख लेकर अपनी कार्यशैली सुधारें।

मुरादाबाद की अमलताश सोसायटी में दहशत का अंत: पिंजरे में कैद हुआ कब्र बिज्जू, लोगों ने ली राहत की सांस

मुरादाबाद की अमलताश सोसायटी में कई दिनों से दहशत का कारण बना कब्र बिज्जू आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। इसके पकड़े जाने से सोसायटीवासियों ने राहत की सांस ली, क्योंकि वन्यजीव के कारण बच्चे बाहर खेलने से बच रहे थे।कांठ रोड स्थित अमलताश सोसायटी में कई दिनों से दहशत का कारण बना कब्र बिज्जू आखिरकार सोमवार रात वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। इसके पकड़े जाने की खबर मिलते ही सोसायटीवासियों ने राहत की सांस ली।

वन्यजीव के लगातार दिखाई देने के कारण अभिभावक बच्चों को अकेले बाहर भेजने से बच रहे थे। रक्षाबंधन के दिन भी कब्र बिज्जू दिखाई देने से लोगों में डर बढ़ गया था। सोसायटीवासियों के मुताबिक कब्र बिज्जू पिछले कई दिनों से परिसर और आसपास की दीवारों के पास दिखाई दे रहा था। इसके चलते शाम होते ही लोग सतर्क हो जाते थे।बच्चों की बाहर खेलने की मस्ती भी लगभग घरों तक सिमट गई थी। लोगों ने वन विभाग से इसे जल्द पकड़ने की मांग की थी। वन विभाग की टीम ने कब्र बिज्जू को पकड़ने के लिए सोसायटी परिसर में पिंजरा लगाया था।सोमवार रात वन्यजीव पिंजरे में फंस गया। टीम ने उसे सुरक्षित कब्जे में ले लिया। इसके बाद सोसायटी के लोगों ने राहत महसूस की। रेंजर राजेश शर्मा ने बताया कि अमलताश सोसायटी में कब्र बिज्जू की लगातार गतिविधि की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम निगरानी कर रही थी। उसे पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया था। सोमवार रात कब्र बिज्जू पिंजरे में कैद हो गया। उसे सुरक्षित कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल की दीवार पर बैठा दिखा तेंदुआ: फुटेज वायरल होते ही खाली हुए क्लासरूम, शिक्षकों ने संभाला मोर्चा

मुरादाबाद में तेंदुए की बढ़ती दहशत से स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति घट गई है। शिक्षकों ने बच्चों की सुरक्षा के लिए उन्हें घर से लाने और वापस छोड़ने की व्यवस्था की है। क्षेत्र में तेंदुए की बढ़ती गतिविधियों ने ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। लौंगी खुर्द के चाऊपुरा गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय की दीवार पर करीब छह दिन पहले तेंदुआ बैठा दिखाई दिया। सामने के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में इसकी फुटेज कैद हुई। तस्वीर सामने आने के बाद विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें घर से लाने और छुट्टी के बाद घर पहुंचाने की व्यवस्था शुरू कर दी है। तेंदुए के खौफ का असर बच्चों की उपस्थिति पर भी दिख रहा है। रायभूड़ स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय आबादी के बीच है। यहां कक्षा एक से आठ तक 118 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं, लेकिन रोजाना करीब 70 बच्चे ही विद्यालय पहुंच रहे हैं। प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार ने बताया कि स्कूल आबादी में होने से परिसर में तेंदुए का खतरा कम है, लेकिन बच्चों के आने-जाने का रास्ता चिंता का विषय है। अधिकांश बच्चे सड़क के दोनों ओर फैले घने गन्ने के खेतों के बीच से होकर विद्यालय पहुंचते हैं।क्षेत्र में तेंदुए के हमलों की घटनाएं बढ़ने के बाद अभिभावक बच्चों को अकेले भेजने से बच रहे हैं, जिससे उपस्थिति प्रभावित हुई है। वहीं, रायभूड़ मंझरा पंचायत के मुनीमपुर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में 20 बच्चे पंजीकृत हैं। मगर वर्तमान में करीब 10 बच्चे ही स्कूल आ रहे हैं। विद्यालय के तीनों ओर जंगल होने से अभिभावकों में तेंदुए का डर और अधिक है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए की दहशत के बीच बच्चों की सुरक्षा को लेकर लगातार चिंता बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

12 उपलब्धियों की बदौलत सुनीता रानी का राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयन, सीएम योगी करेंगे सम्मानित

उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसवां गौड़ की सहायक अध्यापक सुनीता रानी का चयन उत्तर प्रदेश राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए हुआ है। उन्हें 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर लखनऊ में सम्मानित किया जाएगा, जो उनके उत्कृष्ट कार्यों का परिणाम है। सुनीता रानी का उत्तर प्रदेश राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए चयन। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर लखनऊ में होंगी सम्मानित। 12 बिंदुओं पर उत्कृष्ट उपलब्धियों के कारण हुआ चयन। उत्तर प्रदेश राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसवां गौड़ की सहायक अध्यापक सुनीता रानी का चयन हुआ है। राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए तय सभी 12 बिंदुओं पर उपलब्धियां उनके चयन का आधार बनीं। अब पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर लखनऊ में उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। बुद्धि विहार फेज-2 निवासी सुनीता रानी आठ मार्च 2003 को शिक्षा क्षेत्र से जुड़ीं। 30 अगस्त 2006 से वह उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसवां गौड़ में सहायक अध्यापक हैं। सामाजिक विषय की शिक्षक सुनीता रानी ने सम्मान के लिए चयन की जानकारी पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण है। वह बताती हैं कि बच्चों की शिक्षा में कोई कमी न रहे, इसके लिए हमेशा जोर रहा। आज स्कूल में बच्चों की संख्या पहले की अपेक्षा अधिक है। बच्चे विभिन्न गतिविधियों से जुड़ रहे हैं। वह बताती हैं कि पति अनूप सिंह भी शिक्षक हैं, जिनकी तैनाती राजकीय हाईस्कूल सेहल में है। पिता किशनलाल भी शिक्षक रह चुके हैं। तीन बेटे अश्वनी कुमार, आशीष व कार्तिक हैं। पुरस्कार के लिए चयनित होने का श्रेय उन्होंने परिवार, साथी शिक्षकों, बच्चों को दिया। शिक्षकों ने भी खुशी व्यक्त की। सभी 12 बिंदुओं की उपलब्धियां बनी चयन का आधार- नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धिः 2022-23 में 95 से बढ़कर 2026-27 में 135 विद्यार्थी हुए। नवाचार आधारित शिक्षणः खेल-खेल में शिक्षण, आर्गेनिक खेती, क्राफ्ट, प्रयोगात्मक सामाजिक विज्ञान, मिट्टी की आकृतियां, सिलाई-कढ़ाई और 'एक दिन-एक विद्यार्थी शिक्षक' जैसी गतिविधियां। 'मेरा गांव-मेरी डायरी' के माध्यम से विद्यार्थियों में स्थानीय परिवेश के प्रति समझ विकसित की गई। तकनीक आधारित शिक्षाः स्मार्ट कक्षा और नक्षत्रशाला के माध्यम से विज्ञान, अंतरिक्ष और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा। एनईपी-2020 के अनुरूप शिक्षाः बाल-केंद्रित, गतिविधि आधारित, कौशल एवं समझ पर आधारित शिक्षण पर जोर। सामुदायिक सहभागिताः बैंक के सहयोग से सोलर पैनल और पंखे उपलब्ध कराए गए तथा जरूरतमंद परिवारों की सहायता की गई। बालिका शिक्षा एवं जागरूकताः स्कूल चलो अभियान, ड्रॉपआउट बच्चों की वापसी और अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम संचालित। समावेशी शिक्षाः दिव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और शिक्षण में समान अवसर। खेलों में शानदार उपलब्धियांः 2025-26 में राज्य स्तर पर चार स्वर्ण, दो रजत व दो कांस्य तथा मंडल स्तर पर 12 स्वर्ण, चार रजत व तीन कांस्य पदक। छात्रा दिव्या ने राष्ट्रीय स्तर की स्कूली कुश्ती प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। मीना मंच के माध्यम से छात्राओं को नेतृत्व एवं प्रतिभा प्रदर्शन का अवसरः छात्रा सारा बी. ने मंडल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर पर सम्मान हासिल किया। पर्यावरण संरक्षणः 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण। भौतिक परिवेश में सुधारः 19 पैरामीटर संतृप्त करने पर विद्यालय को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। पोषण एवं जैविक खेतीः विद्यालय में ऑर्गेनिक सब्जियों और मशरूम की खेती; रसोइया ने जिला स्तरीय एमडीएम प्रतियोगिता में सफलता हासिल की।

मुरादाबाद में एक सितंबर से जमीन खरीदना महंगा, नया सर्किल रेट हुआ लागू, डीएम ने लगाई मुहर

मुरादाबाद में 1 सितंबर से जमीन की रजिस्ट्री नए सर्किल रेट पर होगी, जिसमें औसतन 12 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।मुरादाबाद में 1 सितंबर से नए सर्किल रेट लागू। जमीन की रजिस्ट्री पर औसतन 12% की वृद्धि। कृषि भूमि खरीदारों को 600 मीटर से अधिक पर राहत।एक सितंबर यानी मंगलवार से जिले में जमीन खरीदना महंगा हो जाएगा। आज से नए सर्किल रेट के आधार पर रजिस्ट्री होगी। औसतन जिले में 12 प्रतिशत सर्किल रेट में बढ़ोतरी की गई है। जारी नई रेट लिस्ट में जिला, राज्य व नेशनल हाईवे किनारे कृषि भूमि खरीदने वालों को बड़ी राहत दी गई है। पहले हाईवे किनारे 600 मीटर तक कृषि भूमि खरीदने पर भूमि की अकृषक दर में रजिस्ट्री होती थी।

नई व्यवस्था अनुसार, अब सिर्फ 600 मीटर तक ही कृषि खरीदने पर अकृषक दर लागू होगी। उससे अधिक खरीदने की दशा में कृषक दर से 50 प्रतिशत वृद्धि के साथ रजिस्ट्री कराई जा सकेगी। लगातार दूसरे वर्ष कामर्शियल और निर्माण की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है। आपत्तियों के निस्तारण के बाद सोमवार को फाइनल रेट लिस्ट पर मुहर लगा दी गई।जिला प्रशासन की ओर से पांच अगस्त को प्रस्तावित सर्किल रेट लिस्ट जारी की गई थी, जिसके अनुसार औसतन 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई थी। दावे एवं आपत्तियों के समय कई स्थानों पर अधिक सर्किल रेट बढ़ाए जाने की बात सामने आई। डीएम डा. राजेन्द्र पैंसिया के सामने पूरी रिपोर्ट रखी गई, जिसके बाद उन्होंने औसतन 12 प्रतिशत वृद्धि पर ही मुहर लगाई। `ट में साल 2024 में कोई वृद्धि नहीं की गई थी। जिसके चलते बीते साल 2025 में शहरी क्षेत्र में सबसे अधिक औसतन 20 प्रतिशत तक बढ़ोत्तरी की गई थी। प्रस्तावित रेट लिस्ट की बीते वर्ष की रेट लिस्ट से तुलना करें तो अबकी बार आठ प्रतिशत कम वृद्धि हुई है।बीते वर्ष औसतन 20 प्रतिशत वृद्धि की गई थी। मनोहरपुर, मंगूपुरा, डिडौरा, डिडौरी समेत जिन 13 गांवों में एमडीए की ओर से भूमि अधिगृहीत की जा रही है। वहां के सर्किल रेट में सबसे कम वृद्धि की गई है। रिंग रोड पर पड़ने वाली गांवों में भी इसका ध्यान रखा गया है। उपनिबंधक व एसडीएम की आख्या पर गाटा संख्या का होगा निस्तारण-गाटा संख्या में त्रुटि को लेकर निस्तारण की प्रक्रिया को भी सरल किया गया है। इसके लिए उपनिबंधक व एसडीएम की जिम्मेदारी तय की गई है। दोनों की आख्या पर संबंधित गाटा संख्या संबंधित त्रुटि का निस्तारण हो सकेगा।

पुराने रेट पर रजिस्ट्री को लेकर उमड़ी भीड़- एक सितंबर से नए सर्किल रेट पर रजिस्ट्री शुरू हो जाएगी। लिहाजा, पुराने सर्किल रेट पर रजिस्ट्री को लेकर सोमवार को रजिस्ट्री दफ्तरों में खूब भीड़ उमड़ी। सुबह कार्यालय खुलने के बाद से देरशाम तक एक जैसा ही नजारा देखने को मिला। नए सर्किल रेट की प्रस्तावित दरें जारी कर दी गई हैं। औसतन 12 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। कामर्शियल और निर्माण की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है। नई दरें एक सितंबर से प्रभावी रहेंगीं। -डॉ. राजेन्द्र पैंसिया, डीएम प्रमुख क्षेत्रों के सर्किल रेट पर नजर क्षेत्र सर्किल रेट गुरहट्टी चौराहे से पीलीकोठी तक 146000 पीलीकोठी से मधुबनी तक 133000 मधुबनी से विवेकानंद तक 127000 बुधबाजार इंपीरियल से दुर्गा मंदिर दोनों ओर 267000 फव्वारा तिराहे से पीलीकोठी महिला थाना 146000 अकबर किले से सेल टैक्स आफिस तक 92000 साई मंदिर रोड पर चौबीस मीटर रोड तक 105000 वेव सिनेमा से सेलटैक्स आफिस चौराहा 85000 सेलटैक्स आफिस से टीडीआइ गोल्ड जिम76000 सदर तहसील से हिमगिरि होते हुए हरथला 53000 सदर तहसील से आरओबी पार तिगरी तक48000 लाकड़ी फाजलपुर से ट्रांसपोर्ट नगर 33000 लोकोशेड से चरण सिंह चौराहा दोनों ओर 118000 चिड़ियाटोला से प्रकाश नगर चरण सिंह चौक तक 88000

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम कार्यालय में स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की लगी प्रदर्शनी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में समूह की दीदियों ने अपने हुनर, मेहनत और स्वरोजगार के प्रयासों को उत्पादों के माध्यम से सामने रखा। महिलाओं ने उत्पादों की गुणवत्ता, उपयोगिता और निर्माण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी प्रदर्शनी के दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पाद प्रस्तुत किए। उन्होंने उत्पादों की विशेषताओं, गुणवत्ता और उपयोगिता के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन्हें तैयार करने में किस तरह कौशल और मेहनत का इस्तेमाल किया जाता है। प्रदर्शनी के माध्यम से महिलाओं के हुनर को व्यापक स्तर पर पहचान दिलाने के साथ ही उनके स्वरोजगार के प्रयासों को भी सामने लाया गया। समूह की दीदियों ने उत्साहपूर्वक अपने उत्पादों के बारे में जानकारी साझा की। जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित उत्पाद प्रदर्शनी महिलाओं के इसी प्रयास की तस्वीर पेश करती नजर आई। अपने हाथों से तैयार किए गए उत्पादों को लोगों के सामने प्रस्तुत करते हुए महिलाओं में आत्मविश्वास भी दिखाई दिया। समूह की दीदियां अपने कौशल और मेहनत के दम पर उत्पाद तैयार कर उन्हें बाजार तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही हैं। जिलाधिकारी कार्यालय में उत्पादों का प्रदर्शन महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमों को दर्शाता है। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर मिलने के साथ उनकी आजीविका को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मासिक मानदेय और सेवा नियमित करने की मांग पर बैंक सखियों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने वाली बैंक सखियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। बैंक सखियों ने वर्तमान में मिल रहे चार हजार मासिक मानदेय को बढ़ाकर 20 हजार प्रतिमाह किए जाने और उनकी सेवाओं को स्थायी एवं नियमित करने की मांग की।

बैंक सखियों ने बताया कि वे पिछले करीब पांच वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। उनका काम ग्रामीण नागरिकों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ना है। इसके तहत बैंक खाता खुलवाने, आधार ई-केवाईसी, धनराशि जमा-निकासी और वित्तीय साक्षरता सहित अन्य बैंकिंग कार्यों में लोगों की मदद की जाती है।गांव-गांव पहुंचकर दे रहीं बैंकिंग सेवाएं- बैंक सखियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच आसान बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंक शाखाओं तक पहुंचने में परेशानी वाले ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए उन्हें लगातार गांवों में भ्रमण करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस दौरान आने-जाने का खर्च, मोबाइल फोन, इंटरनेट और अन्य जरूरी खर्च भी उन्हें स्वयं उठाने पड़ते हैं। बढ़ती महंगाई और काम की जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें वर्तमान में केवल हजार मासिक मानदेय मिल रहा है, जो उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों के लिहाज से काफी कम है। बैंक सखियों ने सरकार से उनका मासिक मानदेय बढ़ाकर 20 हजार किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि पिछले कई वर्षों से सेवाएं देने के बावजूद मानदेय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है। मानदेय बढ़ने से उन्हें आर्थिक मजबूती मिलेगी और वे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को और बेहतर तरीके से उपलब्ध करा सकेंगी। सेवाओं को स्थायी एवं नियमित करने की मांग- ज्ञापन में बैंक सखियों ने अपनी सेवाओं को स्थायी एवं नियमित किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। उनका कहना है कि करीब पांच वर्षों तक काम करने के बाद भी उन्हें सेवा सुरक्षा और भविष्य की स्थिरता नहीं मिल पाई है। उन्होंने शासन स्तर पर आवश्यक कार्रवाई कर बैंक सखियों के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग की। ज्ञापन में रेखा रानी, विदुषी यादव, गायत्री देवी, कोमल, प्रियंका, सीमा, ममता, प्रियंका कुमारी, सुमित्रा, सुमन गंगवार, बबली, अंजू कुमारी, राधा देवी, आशा रानी, संगम, अंजू सिंह, पूजा, भारती देवी, किरन देवी, आरती सिंह और मेधा समेत अन्य बैंक सखियों के नाम एवं हस्ताक्षर दर्ज हैं। बैंक सखियां ने उम्मीद जताई कि जिलाधिकारी उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए शासन तक पहुंचाएंगे और मानदेय बढ़ाने तथा सेवाओं को नियमित करने की दिशा में सकारात्मक पहल होगी।

सीएम ग्रिड योजना श्यामगंज से महर्षि कश्यप चौक तक हटेंगे अवैध कब्जे, 58 को नोटिस

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शहर में सीएम ग्रिड फेस-थ्री के तहत श्यामगंज से महर्षि कश्यप चौक तक प्रस्तावित मॉडल रोड को लेकर नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। 1.5 किलोमीटर मार्ग पर 274 अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं। सोमवार से कब्जेदारों को स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। एक्सईएन राजीव कुमार राठी ने बताया कि डेढ़ किलोमीटर लंबे इस मार्ग के कायाकल्प पर 31 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। परियोजना के तहत सड़क के चौड़ीकरण के साथ-साथ विद्युत लाइनों और जल निकासी वाले नालों को पूरी तरह भूमिगत किया जाएगा। अभियान के पहले चरण के तहत 58 चिह्नित लोगों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इन लोगों ने सड़क की लगभग 6 से 18 फीट तक की भूमि पर कब्जा कर रखा है। सर्वे टीम ने अतिक्रमण की जद में आए भवनों और दुकानों पर पहले ही लाल निशान लगा दिए हैं। नोटिस में कहा गया है यदि निर्धारित समय में कब्जेदारों ने खुद अतिक्रमण नहीं हटाया, तो निगम का दस्ता ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा। इस मॉडल रोड के निर्माण से नगरिकों को जाम से राहत मिलेगी। शहरी क्षेत्र के मुख्य मार्गों को मॉडल रोड के रूप में विकसित करने के लिए शासन ने बरेली को चरणबद्ध स्वीकृति दी है। फेस-वन के तहत मॉडल टाउन में 56 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का कायाकल्प किया जा रहा है। वहीं, फेस-टू में कोहाड़ापीर से प्रेमनगर धर्मकांटा और कुदेशिया फाटक तक 44 करोड़ रुपये की लागत से 2.4 किलोमीटर लंबी मॉडल रोड के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इन दोनों शुरुआती चरणों पर कुल 100 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। दावा है फेस-थ्री के जुड़ने से शहर की कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा काफी मजबूत होगा।

बरेली में आग का तांडव: भिटौरा पुलिया के पास दुकान जलकर राख, लाखों का नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली के फतेहगंज पश्चिमी कस्बा में मंगलवार सुबह भिटौरा पुलिया के पास स्थित एक हार्डवेयर और परचून की दुकान में भीषण आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।दुकान के मालिक आकाश गुप्ता और डिम्पल गुप्ता ने बताया कि आग इतनी विकराल थी कि दुकान का अधिकांश सामान नष्ट हो गया। आग लगने का स्पष्ट कारण अभी ज्ञात नहीं है, लेकिन प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को संभावित वजह बताया जा रहा है।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड टीम प्रभारी के.के. बंसल ने पुष्टि की कि काफी प्रयासों के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। घटनास्थल पर थाना प्रभारी प्रवीन कुमार और चौकी प्रभारी आदेश कुमार सहित पुलिस बल मौजूद रहा। आग पर नियंत्रण पाने के बाद पुलिस और दमकल टीम ने राहत की सांस ली। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मुठभेड़ में सचिन हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार पैर में लगी गोली , तमंचा -कारतूस व चाकू बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के वंशीनगला में भाजपा नेता सचिन कश्यप हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर फरार चल रहे दूसरे आरोपी बाबू उर्फ रोहित को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। इसके बाद उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद किए जाने का पुलिस ने दावा किया है।

पुलिस के मुताबिक, सोमवार देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि सचिन कश्यप हत्याकांड में वांछित आरोपी बाबू उर्फ रोहित श्मशान घाट मंदिर से सराय तलफी रोड की ओर जा रहा है।सूचना के आधार पर सुभाषनगर पुलिस ने रास्ते में घेराबंदी की।पुलिस टीम को देखकर आरोपी भागने लगा। पुलिस ने उसे रुकने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं रुका। पुलिस का आरोप है कि भागते समय आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। फायरिंग के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई, पैर में लगी गोली पुलिस के अनुसार, आरोपी की फायरिंग के बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान गोली बाबू उर्फ रोहित के पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया और उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 22 वर्षीय बाबू उर्फ रोहित पुत्र राजेंद्र उर्फ राजू, निवासी वंशीनगला के रूप में हुई है।

गोशाला में 15 गोवंशीय पशुओं की मौत के मामले में रात भर हुआ हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सीबीगंज क्षेत्र के नदोसी स्थित कान्हा उपवन गोशाला में 15 गोवंशीय पशुओं की मौत के मामले में रात भर हंगामा हुआ। गोसेवकों ने नगर निगम की ट्रैक्टर- ट्रॉली में तिरपाल से ढके मृत गोवंशों को ले जाते हुए पकड़ा। क्रूरता और लापरवाही के आरोप लगाकर गोशाला के सुपरवाइजर समेत चार आरोपियों पर रिपोर्ट कराई गई है। निर्दोष राठौर की ओर से कराई गई रिपोर्ट में बताया गया कि 29 अगस्त को गोशाला से सात मृत गोवंश को बाहर ले जाया जा रहा था। ये गोवंश दयनीय स्थिति में कीचड़ से सने हुए थे। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन के उच्चाधिकारियों को दी। पंकज पाठक के नेतृत्व में गो सेवकों ने अधिकारियों के सामने गोशाला का जायजा लिया। वहां कीचड़, गंदगी, घायल, कमजोर गोवंश और सड़ा हुआ भूसा मिला। चारे और पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। गो सेवकों को जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।गोवंशों की मौत की वजह 31 अगस्त की रात करीब आठ बजे फिर से नगर निगम की ट्रैक्टर-ट्रॉली में करीब आठ मृत %गोवंश को दबाने के लिए ले जाया जा रहा था। गोसेवकों ने नदौसी के पास ट्रॉली को रोका। उन्होंने पाया कि गोवंश की मृत्यु पशु क्रूरता, बीमारी और देखरेख में लापरवाही के कारण हुई। आरोप है कि कान्हा उपवन गोशाला में पशुओं के लिए स्वच्छ चारा और पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं कराया जाता। गोशाला में पर्याप्त सफाई भी नहीं होती। जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग इस मामले में सुपरवाइजर विजय उर्फ बनवारी, भूसा सप्लायर रचित अग्रवाल (आरके इंटरप्राइजेज) और विशाल मल्होत्रा को जिम्मेदार ठहराया गया है। गोशाला के केयरटेकर, संचालनकर्ता और देखरेख के लिए जिम्मेदार व्यक्ति आरोपी हैं। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। गोशाला का मुआयना कर मत गोवंश का पोस्टमार्टम गो सेवकों की मौजूदगी में कराने का निवेदन किया गया। उनके पास मृत गोवंशों के फोटो, वीडियो और मोके के गवाह मोजूद हैं। सीओ टू नितिन कुमार ने बताया कि तहरीर के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। गोवंश का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

कूड़ा वाहन और ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर, चार घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। इण्डेन गैस गोदाम के पास मंगलवार को नगर पंचायत की कूड़ा उठाने वाली गाड़ी और ई-रिक्शा की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में ई-रिक्शा पलट गया, जिससे उसमें बैठी तीन सवारियां और चालक घायल हो गए। सभी घायलों का पास के ही अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार ई-रिक्शा कस्बे की ओर आ रहा था, जबकि नगर पंचायत की कूड़ा उठाने वाली गाड़ी हाईवे की तरफ जा रही थी। इण्डेन गैस गोदाम के पास दोनों वाहन आमने-सामने आ गए और टक्कर हो गई। हादसे में कृष्णावती, अनुराग, रिहान और ई-रिक्शा चालक भूपराम घायल हो गए।ई-रिक्शा भूपराम चला रहे थे, जबकि नगर पंचायत की कूड़ा उठाने वाली गाड़ी का चालक मंजुल बताया गया है। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

सीसीटीवी ने खोज निकाली लोगों की खोई अमानत, नकदी-जेवर से मोबाइल और लैपटॉप तक बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शहर में लगे हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों की 24 घंटे निगरानी अब आमजन की खोई वस्तुओं को वापस दिलाने में भी मददगार साबित हो रही है। आईसीसीसी (इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) की पुलिस टीम ने अगस्त माह में तकनीकी निगरानी और वीडियो एनालिटिक्स की मदद से 13 लोगों के खोए व छूटे सामान को बरामद कर उनके स्वामियों तक पहुंचाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश और पुलिस अधीक्षक यातायात मोहम्मद अकमल खां के पर्यवेक्षण में एक से 31 अगस्त तक आईसीसीसी कार्यालय में अलग-अलग नागरिकों की ओर से समस्याओं के समाधान के लिए प्रार्थना पत्र दिए गए थे। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए मामलों को ट्रेस कर सफलतापूर्वक निस्तारित किया। बरामद सामान में 49 हजार रुपये नकद और दो तोला सोने के आभूषण, मोबाइल फोन, लैपटॉप, पर्स, बैग, जरूरी दस्तावेज, शैक्षिक प्रमाण-पत्र और पहचान पत्र शामिल हैं। पुलिस के अनुसार इस तकनीकी पहल से लोगों को बड़ी राहत मिली है। सीसीटीवी निगरानी टीम में म0उ0नि0 शालूपवार, कांस्टेबल अकरम, वरुण कुमार और चंदन किशोर शामिल रहे, जबकि ट्रेसिंग टीम में उपनिरीक्षक मयंक, उपनिरीक्षक निखिल कुमार, महिला कांस्टेबल स्वाति और कांस्टेबल निभित कुमार ने भूमिका निभाई।

कस्तूरबा विद्यालयों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, कमियां मिलीं तो होगी कड़ी कार्रवाई

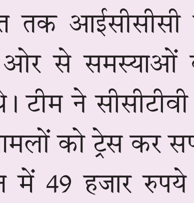

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में 18 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की समीक्षा बैठक हुई। डीएम ने निरीक्षण में मिली कमियों को तत्काल दूर करने और विद्यालयों में किसी भी तरह की अव्यवस्था पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। समीक्षा में बहेड़ी विद्यालय की दो माह से अनुपस्थित रसोइया को तत्काल कार्यमुक्त कर नियमानुसार नई नियुक्ति के निर्देश दिए गए। बालिकाओं की सुरक्षा के लिए पीआरडी जवानों की मौजूदगी और सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता जांचने को कहा गया। बिथरी चैनपुर के विद्यालय से बीआरसी केंद्र हटाने तथा हाईटेंशन लाइन वाले विद्यालयों की सूची तैयार कर शिफ्टिंग कराने के निर्देश भी दिए। डीएम ने स्वास्थ्य टीमों में महिला चिकित्सक की अनिवार्य मौजूदगी, भोजन की गुणवत्ता जांचने और निरीक्षण के दौरान छात्राओं से अलग से संवाद कर उनकी समस्याएं जानने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी कस्तूरबा विद्यालयों को लाइव मॉनीटरिंग से जोड़ा जाएगा। बैठक में बीएसए डॉ. विनीता ने बताया कि कस्तूरबा विद्यालय की छात्रा शिखा गंगवार को राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने पर मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण शिविर में 150 बच्चों की हुई जांच

समोदिया क्यूँ न लिखूँ सच। विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं ग्राम भारती, पिलखुआ (हापुड़) के ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तमनगर में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण शिविर आयोजित किया गया। वर्षा ऋतु एवं संचारी रोगों के चलते बच्चों के अस्वस्थ होने की शिकायतों को देखते हुए प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा के प्रयास पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वार के प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतीश कुमार के निर्देशानुसार चिकित्सा दल विद्यालय पहुंचा। शिविर में डॉ. सैयद इमरान मियां, डॉ. मोनिका सिद्धार्थ, फार्मासिस्ट जितेंद्र कुमार, एएनएम श्रीमती कैलाश रानी एवं शरीफ अहमद

ने करीब 150 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार, कान दर्द, पेट दर्द, दाद, खाज और खुजली सहित विभिन्न मौसमी बीमारियों से पीड़ित बच्चों को आवश्यक औषधियां उपलब्ध कराईं। इस दौरान डॉ. सैयद इमरान ने बच्चों को भोजन से पहले हाथ धोने, नाखून साफ रखने, हरी सब्जियों, मौसमी फलों, दूध एवं दही का सेवन करने की सलाह दी। उन्होंने खुले खाद्य पदार्थों और जंक फूड से दूरी बनाने तथा मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने के लिए भी जागरूक किया। स्वास्थ्य परीक्षण में चिकित्सा प्रमुख आचार्य धर्मेंद्र कुमार मौर्य, भैया हिमांशु कुमार, अतुल कुमार एवं सक्षम के भैया-बहनों ने सहयोग किया। शिविर को सफल बनाने में ब्रजकिशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह, उमेश कुमार, संजय सिंह, अनिल कुमार, प्रकाश बाबू, दिलीप कुमार, विजेंद्र सिंह, प्रेमपाल, सुनीता रानी मौर्य, अंजली मौर्य, विनीता, पूजा एवं टैगोर सहित विद्यालय परिवार का सहयोग रहा।

दिल्ली से लौटने पर युवा नेता कपिल राज का बिलारी में जोरदार स्वागत

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। दिल्ली में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में सहभागिता के बाद बिलारी लौटे युवा नेता कपिल राज का युवा साथियों एवं समर्थकों ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं ने गर्मजोशी के साथ उनका अभिनंदन करते हुए उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस दौरान युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया और सभी ने समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।युवाओं को संबोधित करते हुए कपिल राज ने कहा कि वह समाज के प्रत्येक वर्ग एवं जाति के सम्मान और हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। उनका प्रयास है कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान और अवसर प्राप्त हो तथा किसी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न किया जाए। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और आपसी भाईचारा ही एक मजबूत एवं समरस समाज की आधारशिला है।उन्होंने कहा कि वह देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित सामाजिक कार्यक्रमों में सहभागिता कर युवाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। विशेष रूप से उन्होंने युवाओं से अपने संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कपिल राज ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को संविधान की जानकारी रखते हुए अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी भली-भांति पालन करना चाहिए।उन्होंने कहा कि युवा देश और समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि युवा शिक्षित, जागरूक और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग होंगे तो समाज में सकारात्मक बदलाव को और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने युवाओं से एकता, भाईचारे और आपसी सम्मान की भावना के साथ समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में अनस, समीर, कामिल, नदीम, राजदीप, ऋतिक सहित बड़ी संख्या में युवा साथी मौजूद रहे। उपस्थित युवाओं ने कपिल राज के सामाजिक प्रयासों में निरंतर सहयोग करने का संकल्प व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

चलती बस में दुष्कर्म: दिल्ली पुलिस की बड़ी लापरवाही, अभी तक नहीं किया यह काम; एक बार कट चुका 28 हजार का चालान

बस की चालान हिस्ट्री से यह पता चला है कि यह वाहन लगातार यातायात नियमों की अनदेखी कर सड़कों पर फर्राटा भर रहा था। जुलाई 2026 के दौरान मथुरा (यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र) में अत्यधिक तेज गति से बस चलाने के कारण 4-4 हजार रुपये के कई चालान काटे गए, जो अभी भी लंबित हैं।सामूहिक दुष्कर्म में प्रयुक्त स्लीपर बस के सत्यापन के मामले में भी दिल्ली पुलिस की गंभीर शिथिलता उजागर हुई है। वारदात में इस्तेमाल हुई स्लीपर बस (UP 83 ET 3789) को लेकर नियमानुसार दिल्ली पुलिस को पंजीकरण प्राधिकरण (एआरटीओ फिरोजाबाद) से वाहन का आधिकारिक सत्यापन कराना चाहिए था। हालांकि, घटना के इतने दिन बीत जाने के बावजूद दिल्ली पुलिस द्वारा एआरटीओ कार्यालय को सत्यापन या विभागीय कार्रवाई के लिए कोई रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। फिरोजाबाद के एआरटीओ का बड़ा खुलासा- मामले में संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि उन्हें इस पूरे प्रकरण की जानकारी केवल समाचार पत्रों और मीडिया माध्यमों से ही प्राप्त हुई है। फिरोजाबाद के एआरटीओ (प्रशासन) गौरी शंकर ठाकुर ने बताया कि दिल्ली पुलिस की ओर से अभी तक इस बस के संबंध में कोई भी आधिकारिक पत्र, नोटिस या सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। नियमतः किसी भी आपराधिक वारदात में वाहन प्रयुक्त होने पर संबंधित पुलिस बल को पंजीकरण प्राधिकारी को त्वरित रिपोर्ट भेजनी होती है।परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मोटर वाहन अधिनियम की धारा 86 (1) के पैरा ख में स्पष्ट प्रावधान है कि यदि किसी परमिट धारक वाहन का उपयोग किसी अवैध गतिविधि, गंभीर अपराध या गैर-कानूनी कार्य में किया जाता है, तो परिवहन प्राधिकरण उसका परमिट निलंबित या पूरी तरह निरस्त कर सकता है। हालांकि, परमिट निरस्तीकरण या निलंबन का अंतिम निर्णय पुलिस द्वारा भेजी जाने वाली आधिकारिक रिपोर्ट और अपराध की गंभीरता पर ही निर्भर करता है। दिल्ली पुलिस द्वारा रिपोर्ट भेजने में की जा रही देरी के कारण बस के परमिट पर कानूनी शिकंजा कसने में विभागीय अड़चन आ रही है।बस का पूरा काला चिट्ठा-दिल्ली बस सामूहिक दुष्कर्म मामले में दिल्ली पुलिस की जांच के दायरे में आई स्लीपर/टूरिस्ट बस का पूरा काला चिट्ठा परिवहन विभाग के रिकॉर्ड (वाहन पोर्टल) से उजागर हो गया है। वाहन पंजीयन अभिलेखों के अनुसार, बस (रजिस्ट्रेशन नंबर UP 83 ET 3789) अनिल जादौन ने 27 अक्तूबर 2025 को खरीदी थी, जबकि फिरोजाबाद एआरटीओ कार्यालय में इसका औपचारिक पंजीकरण 28 अप्रैल 2026 को कराया गया था। वाहन की फिटनेस 17 अप्रैल 2028 तक वैध है। अनदेखी कर चलाई जा रही थी बस- बस की चालान हिस्ट्री से यह पता चला है कि यह वाहन लगातार यातायात नियमों की अनदेखी कर सड़कों पर फर्राटा भर रहा था। जुलाई 2026 के दौरान मथुरा (यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र) में अत्यधिक तेज गति से बस चलाने के कारण 4-4 हजार रुपये के कई चालान काटे गए, जो अभी भी लंबित हैं।बांदा में कटा था 28 हजार का चालान- बांदा आरटीओ क्षेत्र में बिना वैध परमिट वाहन चलाने, सीट बेल्ट न लगाने और स्पीड गवर्नर/रिफ्लेक्टिव टेप नियमों के उल्लंघन पर बस पर 28 हजार रुपये का भारी भरकम जुर्माना लगाया गया था। आगरा और नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) क्षेत्र में भी ओवरस्पीडिंग और लाइन डिसिप्लिन तोड़ने पर इस बस के चालान कटे हैं। लगातार हो रहे गंभीर ट्रैफिक उल्लंघनों के बावजूद बस का बेधड़क सड़कों पर संचालन होना परिवहन विभाग की मॉनिटरिंग पर भी सवाल खड़े करता है।

श्रेणीवार एकत्रीकरण में गूंजा राष्ट्र निर्माण का संदेश, पंच परिवर्तन अपनाने का आह्वान

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर में श्रेणीवार एकत्रीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने अनुशासन एवं संगठनभाव के साथ सहभागिता की। प्रवासी अधिकारी पवन जैन ने स्वयंसेवकों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और सामर्थ्य को समाज एवं राष्ट्रहित में लगाकर सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना, उसके उद्देश्यों तथा संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के राष्ट्र सेवा, अनुशासन और संगठन के विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज निर्माण और समाज निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की भावना को व्यवहार में उतारना आवश्यक है।कार्यक्रम में पंच परिवर्तन के पांच प्रमुख आयामों-सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों-पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने उपस्थित लोगों से इन विषयों को केवल विचार तक सीमित न रखते हुए अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर नगर संघचालक राकेश, नगर कार्यवाह प्रांजल, नगर सहकार्यवाह सुबोध, नगर प्रचार प्रमुख विवेक, संपर्क प्रमुख चंदन, व्यवस्था प्रमुख सिद्धार्थ एवं बौद्धिक प्रमुख विवेक सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पत्रकार एवं अधिवक्ता बंधुओं ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बिलारी में सिपाही ने कमरे में गोली मारकर की आत्महत्या, कारण स्पष्ट नहीं

बिलारी। कोतवाली में तैनात 30 वर्षीय सिपाही ने किराए के कमरे में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दी गई है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।जानकारी के अनुसार, मृतक सिपाही मोनू सांगवान पुत्र महेंद्र सिंह मूल रूप से हरियाणा प्रांत के चारखी दादरी जिले के छपरा गांव का निवासी था और वर्तमान में बिलारी कोतवाली में चार साल से तैनात था। वह बिलारी स्थित साहू कुंज में किराए के मकान में रह रहा था। बताया गया कि दिन में किसी समय उसने अपने कमरे में गोली मार ली। शाम करीब सात बजे मकान में रह रहे हरियाणा के ही कुछ अन्य लोगों को घटना की जानकारी हुई। उन्होंने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद पाया। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो सिपाही अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। उसे तत्काल उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर एसपी देहात कुंवर आकाश, क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह तथा कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सिपाही द्वारा आत्महत्या किए जाने के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।

संभल में बुलडोजर कार्रवाई: चरागाह की भूमि पर बनी अवैध मजार की ध्वस्त, अन्य कब्जों की पैमाइश करेगा प्रशासन

संभल के नीमखेड़ा बझेड़ा गांव में चरागाह की सरकारी भूमि पर बनी अवैध मजार को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। तहसीलदार न्यायालय के बेदखली आदेश के अनुपालन में हुई कार्रवाई के दौरान गांव में भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात रही। प्रशासन के अनुसार, करीब 50 वर्गमीटर सरकारी भूमि पर लगभग 20 साल से कब्जा था। संभल के रायसत्ती थाना क्षेत्र के गांव नीमखेड़ा बझेड़ा में चरागाह की भूमि पर बनी अवैध मजार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई तहसीलदार न्यायालय के बेदखली आदेश के अनुपालन में की गई है। गांव में एहतियातन भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात रही। तहसीलदार धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मजार चरागाह की सरकारी भूमि पर बनाई गई थी। गाटा संख्या 118 की कुल 1.493 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में चरागाह के रूप में दर्ज है। इसी भूमि के करीब 50 वर्गमीटर हिस्से पर कब्जा कर मजार का निर्माण हुआ था। नायब तहसीलदार शुभम प्रताप सिंह ने बताया कि यह कब्जा करीब 20 साल पुराना था। लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर तहसीलदार न्यायालय में वाद चला।

न्यायालय ने 9 जून 2026 को मजार हटाने का आदेश दिया था। सोमवार को प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कराई गई। सरकारी जमीन पर हुए दूसरे कब्जों पर भी होगी कार्रवाई

नायब तहसीलदार ने बताया कि चारागाह की इसी भूमि पर कुछ ग्रामीणों के भी कब्जे सामने आए हैं।

सोमवार सुबह हुई बारिश के कारण मौके पर पानी भर गया था। इस वजह से अन्य कब्जों की पैमाइश नहीं हो सकी। पानी कम होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुछ ग्रामीण सरकारी भूमि पर खेती कर रहे हैं। इन कब्जों को भी हटाया जाना है। सरकारी जमीन पर बने मदरसे पर भी चलेगा बुलडोजर- नखासा थाना क्षेत्र के फत्तेहपुर देव गांव में सरकारी जमीन पर मदरसे का निर्माण किया गया है। इस अवैध निर्माण को हटाने के लिए तहसीलदार कोर्ट से बेदखली का आदेश जारी किया जा चुका है। अब तहसीलदार ने इस मदरसे को ध्वस्त करने की कार्रवाई के लिए टीम का गठन किया है। प्रशासन द्वारा यह ध्वस्तीकरण कार्रवाई मंगलवार से शुरू की जाएगी।

NEET प्रदर्शनकारियों पर FIR रद्द होने पर नड्डा बोले- छात्रों का भविष्य सर्वोच्च प्राथमिकता

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नीट विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामलों में प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि छात्रों का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई न करने का वादा पूरा किया जा रहा है। वहीं, सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने नीट की तैयारी के दौरान जान गंवाने वाले छात्रों के परिवारों से माफी मांगते हुए इसे सरकार की नाकामी बताया। नीट विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार की ओर से पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने का अपना वादा पूरा किया है। वहीं, सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने नीट की तैयारी के दौरान जान गंवाने वाले छात्रों के परिजनों से माफी मांगते हुए कहा कि सरकार की नाकामी के कारण बच्चों को जान गंवानी पड़ी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए हमने भारत सरकार की ओर से भरोसा दिलाया था कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले वापस ले लिए जाएंगे और भविष्य में उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसी क्रम में, हमने भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों की सरकारों से भी बातचीत की और अब हम उस वादे को पूरा कर रहे हैं। हम सीजेपी के प्रवक्ता द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में 5 सितंबर को होने वाले विरोध प्रदर्शन को वापस लेने के फैसले का स्वागत करते हैं।

युवाओं की प्रगति और विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार की नाकामी थी, जिस वजह से आपके बच्चों को जान गंवानी पड़ी उच्चतम न्यायालय के फैसले पर सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने नीट की तैयारी कर रहे छात्रों की मौत को लेकर उनके परिवारों से माफी मांगी। उन्होंने कहा, नीट की तैयारी कर रहे जिन बच्चों की जान गई, उनके परिवारों से सबसे पहले माफी मांगना चाहता हूं। आप लोगों के बच्चों को हम बचा नहीं सके। यह कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। आप लोगों के बच्चों के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए था। जो भी हुआ, गलत हुआ।

मैं आकांक्षा, प्रदीप, रिया के पिता से मिला हूं। हमें अफसोस है कि आपने अपने बच्चों को खो दिया। मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने प्रदर्शन स्थल पर कथित अपराधियों की मौजूदगी और मुआवजे को लेकर सरकार के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा, दिल्ली पुलिस को फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी से शक हुआ था कि विरोध वाली जगह पर लगभग 2,800 कथित कुख्यात अपराधी मौजूद थे। हमने सरकार के साथ बातचीत में तर्क दिया

शिवपुरी को 17.50 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

सिंधिया ने छात्रावास, स्वास्थ्य केंद्र, विद्युत उपकेंद्र व उपतहसील का किया लोकार्पण, 5.51 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को शिवपुरी प्रवास के दौरान जिले को 17.50 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और प्रशासनिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। साथ ही नगर पालिका की विभिन्न सड़कों और सिंहनिवास में सरकारी मिडिल स्कूल भवन सहित 5.51 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

सिंधिया ने अनुसूचित जाति के 50-सीटर प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास, तानपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सिंहनिवास विद्युत उपकेंद्र तथा ठर्रा उपतहसील का लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं के शुरू होने से क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत आपूर्ति और प्रशासनिक सेवाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

4.99 करोड़ से बने छात्रावास का लोकार्पण- केंद्रीय मंत्री ने 4.99 करोड़ की लागत से निर्मित अनुसूचित जाति के 50-सीटर प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर शिक्षा को सामाजिक सशक्तिकरण का सबसे बड़ा माध्यम मानते थे। छात्रावास के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा, आवश्यक सुविधाएं और व्यक्तित्व विकास के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

स्वास्थ्य और बिजली व्यवस्था को मिली मजबूती- तानपुर में 2.95 करोड़ की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सिंहनिवास में 2.77 करोड़ की लागत से बने विद्युत उपकेंद्र का भी लोकार्पण किया गया। सिंधिया ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी, वहीं विद्युत उपकेंद्र से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और विश्वसनीय बनाने में मदद मिलेगी।

सड़कों और स्कूल भवन का होगा निर्माण- कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका की विभिन्न सड़कों के लिए 5 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। वहीं सिंहनिवास में 51 लाख की लागत से बनने वाले सरकारी मिडिल स्कूल भवन का भी भूमिपूजन किया गया। इन निर्माण कार्यों से क्षेत्र में आवागमन और शिक्षा संबंधी सुविधाओं के विस्तार को गति मिलेगी।

ठर्रा उपतहसील का लोकार्पण- सिंधिया ने ठर्रा में 1.24 करोड़ की लागत से निर्मित उपतहसील भवन का लोकार्पण भी किया। उपतहसील के प्रारंभ होने से क्षेत्र के लोगों को राजस्व सहित अन्य प्रशासनिक सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और कई सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी।

सिंधिया ने कहा कि शिवपुरी में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, सड़क और प्रशासनिक सुविधाओं का लाभ हर परिवार तक पहुंचाना प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शिवपुरी सहित पूरे क्षेत्र में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है।

दिनदहाड़े बेखौफ बदमाशों का आतंक! ई-रिक्शा सवार बहन के गले से सोने की चेन झपटी, CCTV में कैद हुई करतूत

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह / बहराइच। बहराइच में बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। मटेरा थाना क्षेत्र में मंगलवार को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने दुस्साहसिक तरीके से ई-रिक्शा सवार महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और देखते ही देखते मौके से फरार हो गए। सरेराह हुई इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया।

मामला भावनियापुर दुर्गा पुरवा रोड का है। जानकारी के मुताबिक, दो बहनें ई-रिक्शा से नानपारा जा रही थीं। इसी दौरान टोल प्लाजा से ठीक पहले बाइक सवार दो बदमाश ई-रिक्शा के पास पहुंचे और एक बहन के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। वारदात इतनी तेजी से हुई कि पीड़िता और उसके साथ मौजूद बहन को संभलने तक का मौका नहीं मिला। दिनदहाड़े सड़क पर हुई इस छिनौती ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

CCTV ने खोला बदमाशों का राज- वारदात को अंजाम देकर भाग रहे दोनों बाइक सवार बदमाशों की तस्वीरें टोल प्लाजा पर लगे CCTV कैमरों में कैद हो गईं। यही फुटेज अब पुलिस की जांच में अहम कड़ी बन गई है। पुलिस CCTV फुटेज के जरिए बदमाशों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाने में जुटी है।

सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में मचा हड़कंप- घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। सीओ नानपारा और एडिशनल एसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई।

बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच मैदान में- मामले के जल्द खुलासे और आरोपियों की धरपकड़ के लिए क्राइम ब्रांच की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस CCTV फुटेज और अन्य उपलब्ध सुरागों के आधार पर बदमाशों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

क्षेत्र में चेकिंग अभियान तेज- दिनदहाड़े हुई चेन छिनौती के बाद पुलिस ने इलाके में चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। संदिग्ध बाइक सवारों और वाहनों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि वारदात को अंजाम देकर फरार हुए बदमाशों को जल्द से जल्द दबोचा जाए।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। CCTV फुटेज में कैद तस्वीरों के आधार पर बदमाशों की पहचान की कोशिश जारी है।

दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने एक बार फिर बदमाशों के बढ़ते दुस्साहस को सामने ला दिया है। अब निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर हैं-क्या CCTV में कैद इन चेहरों तक पुलिस जल्द पहुंच पाएगी, यह देखने वाली बात होगी।

डीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ- जिलाधिकारी अवनीश राय ने तहसील दातागंज अंतर्गत बाढ़ प्रभावित ग्राम भुंडी, रहपुरा एवं कदम नगला का स्थलीय निरीक्षण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हुए कटान तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं की जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान पाया कि क्षेत्र में 500 मीटर से अधिक कटान हो चुका है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कटान की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगों की सुरक्षा एवं आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशु चिकित्सा की टीमें सप्ताह में कम से कम दो दिन नियमित रूप से पहुंचकर पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण करें तथा आवश्यकतानुसार उपचार एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें, साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन निरंतर कराया जाए, जिससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकें।

जिलाधिकारी अवनीश राय ग्राम भुंडी से नाव के माध्यम से कदम नगला एवं रहपुरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर उनका हालचाल जाना तथा बाढ़ के कारण उत्पन्न समस्याओं और उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है और आवश्यकता के अनुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा क्षेत्र की स्थिति पर सतत निगरानी रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी दातागंज विनोद कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ओडीओसी कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ- मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) कार्यक्रम के संबंध में बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य जनपद के ओडीओपी उत्पादों को बेहतर पैकेजिंग, खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों के अनुरूप तैयार कर उनके बाजार विस्तार को बढ़ावा देना रहा। बैठक में बताया गया कि जनपद बदायूँ के लिए एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) कार्यक्रम के अंतर्गत पेड़ा, मावा वाली मिठाइयां एवं लौंग व्यंजन के रूप में चयनित हैं। इन उत्पादों को आधुनिक एवं आकर्षक पैकेजिंग के माध्यम से बाजार में बेहतर पहचान दिलाने तथा उद्यमियों को नए बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं उद्यमियों को निर्देशित किया कि ओडीओसी योजना के अंतर्गत चयनित उत्पादों की गुणवत्ता एवं पैकेजिंग में आवश्यक सुधार लाते हुए उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाए। उन्होंने उद्यमियों को खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता, उचित लेबलिंग एवं पैकेजिंग मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया। कार्यशाला में भारतीय पैकेजिंग संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा उद्यमियों को सुरक्षित एवं स्मार्ट पैकेजिंग, पैकेजिंग सामग्री के उचित चयन, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने, लेबलिंग तथा बारकोड सहित आधुनिक पैकेजिंग प्रणाली के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही खाद्य उत्पादों के लिए आवश्यक खाद्य लाइसेंस एवं पंजीकरण की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई तथा उद्यमियों को लाइसेंस एवं पंजीकरण के लिए आवेदन करने में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की बात कही गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जनपद के स्थानीय उत्पादों को बेहतर पैकेजिंग एवं गुणवत्ता के साथ बाजार उपलब्ध कराने से स्थानीय उद्यमियों को लाभ मिलेगा तथा ओडीओपी उत्पादों को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यशाला में प्राप्त सुझावों एवं जानकारी को अधिक से अधिक उद्यमियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, जिला उद्योग एवं उद्यमिता विकास केंद्र के अधिकारी तथा ओडीओपी एवं पैकेजिंग क्षेत्र से जुड़े उद्यमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

2025-26 की दशमोत्तर छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों हेतु पुनः खुला पोर्टल

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने बताया है कि दशमोत्तर उच्च कक्षाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में शिक्षण संस्थाओं से आवेदन अग्रसारित न होने, पी0एफ़0एम0एस0 से रिजैक्ट होने एवं कतिपय अन्य कारणों से समस्त वर्गों के वंचित छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति के भुगतान हेतु पोर्टल खोले जाने एवं समय-सारणी का शासनादेश निर्गत किया गया है। उन्होंने इसके विवरण के बारे में बताया कि शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा तैयार करना 01 सितम्बर से 07 सितम्बर 2026 तक, विश्वविद्यालय/एफ़िलियेटिंग एजेन्सी द्वारा फ़ीस आदि का सत्यापन करना 02 सितम्बर से 08 सितम्बर 2026 तक, ज़िला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा फ़ीस आदि का सत्यापन करना 03 सितम्बर से 09 सितम्बर 2026 तक, त्रुटिपूर्ण आवेदन को शिक्षण संस्थान के स्तर से सही करना 16 सितम्बर से 18 सितम्बर 2026 तक, शिक्षण संस्थान द्वारा सत्यापित एवं पात्र डाटा अग्रसारित करना: शिक्षण संस्था द्वारा अपात्र छात्र/छात्राओं के आवेदन निरस्त करना तथा पात्र छात्र/छात्राओं के आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करना 17 सितम्बर से 19 सितम्बर 2026 तक, जनपदीय समिति द्वारा शुद्ध डाटा को लॉक करना 17 सितम्बर से 25 सितम्बर 2026 तक कार्यवाही किया जाना निर्धारित किया गया है।

सेवानिवृत्ति होने पर भारत सिंह जाटव सहायक शिक्षक सम्मान समारोह संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा - एमपी विदिशा जिला के नटेरन विकासखंड, सेवानिवृत्ति होने पर भाव भाव विभोर होकर कर विदाई दी विगत दिनो भारत सिंह जाटव सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला घिनोंची के सेवा निवृत होने पर ग्राम वासियों एवं सभी शिक्षक साथियों द्वारा श्रीफल साल पुष्प माला पहनकर विदाई जिला शिक्षा अधिकारी एन के अहिरवार विकासखंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार सेन सी ए सी अशोक कुमार अहिरवार ,मुन्नीलाल नरवरिया, अकाउंटेंट जीएस रैकवार धर्म सिंह मौर्य उधम सिंह जाटव गोरेलाल प्रकाश चंद लोकेंद्र सर मीरा अहिरवार नीलम जैन मुकेश जाटव संजीव रघुवंशी महेंद्र सिंह रघुवंशी गुलाब सिंह रघुवंशी खिलान सिंह रघुवंशी रामस्वरूप कुशवाहा बेलनारा खिलान सिंह लोधी आदि शिक्षक उपस्थित हुए

नकटिया नदी के पुनर्जीवन को बड़ा अभियान, 2.5 लाख वेटिवर पौधों का होगा रोपण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नकटिया नदी (नाथ गंगा) के पुनर्जीवन, सफाई और स्वच्छता को लेकर छावनी परिषद बरेली ने बड़ा कदम उठाया है। 10 लाख वेटिवर पौधे नदी किनारे लगाने के संकल्प के तहत मंगलवार सुबह 8:30 बजे ट्रेनचिंग ग्राउंड के पास नकटिया नदी किनारे 2.5 लाख वेटिवर पौधों का सामूहिक रोपण किया जाएगा। अभियान में छावनी परिषद के कर्मचारी और आरएन टैगोर इंटर कॉलेज के छात्र सहभागिता करेंगे। मुख्य अधिशासी अधिकारी डॉ. तनु जैन के मार्गदर्शन में चल रहे इस महाअभियान का उद्देश्य नकटिया नदी को स्वच्छ, सुंदर और जीवंत बनाना है। अभियान के माध्यम से लोगों को नदी संरक्षण के प्रति जागरूक और अधिक से अधिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाएगा।

चलती बस में दुष्कर्म: बड़ा खुलासा, पांच अगस्त को ही मालिक को मिल गई थी घटना की खबर; दो दिन से परिवार लापता

दिल्ली बस सामूहिक दुष्कर्म मामले की पीड़िता का परिवार 8 अगस्त को गांव लौटने के बाद गत 30 अगस्त से फिर रहस्यमय ढंग से गायब हो गया है। किशनी पुलिस परिवार के सुरक्षित होने की बात कह रही है, लेकिन उनके वर्तमान ठिकाने व पीड़िता की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रही। यूपी के मैनपुरी की 16 वर्षीय छात्रा के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की वारदात जिस स्लीपर कोच बस में हुई थी, वह फिरोजाबाद एआरटीओ कार्यालय में पंजीकृत है। उसका मालिक अनिल जादौन शहर के थाना उत्तर के रैपुरा रोड स्थित इंदिरा कॉलोनी का रहने वाला है। उसे इस वारदात की जानकारी 5 अगस्त को ही लग गई थी। घटना के संबंध में दिल्ली पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने के बाद से वह लापता है। बस मालिक न तो अपने इंदिरा कॉलोनी स्थित आवास पर है और न ही किसी परिचित या रिश्तेदार के संपर्क में है। उसका मोबाइल फोन चालू है। मगर, किसी का फोन नहीं उठा रहा है। तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी है पीड़िता

H1N1: Swine flu outbreak in several states, including Delhi-NCR. How dangerous is the infection for pregnant women?

Swine flu, or H1N1, can be more serious during pregnancy than for the general population. The risk of complications like high fever, respiratory problems, and pneumonia can increase. Severe infection can also affect pregnancy. H1N1, or swine flu, is currently posing challenges not only to Delhi-NCR but also to many other states across the country. Cases are also rising in states like Rajasthan, Madhya Pradesh, and Uttar Pradesh, raising concerns among health experts. According to recent reports, more than 2,700 cases of infection have been reported in Delhi-NCR so far. Deaths of infected individuals have also been reported in some states. According to media reports, by the last week of August, more than 4,200 cases of seasonal influenza and H1N1 have been lab-confirmed in 32 districts of Karnataka. Furthermore, more than 1,100 people have been infected in Maharashtra. Rajasthan has also seen a rise in swine flu cases. In August alone, Rajasthan reported 55 new infections, the highest number recorded in a single month this year, bringing the total number of cases to 146. Rajiv Bahl, Director-General of the Indian Council of Medical Research (ICMR), says that approximately 98% of the influenza A cases currently being reported in India are likely caused by the H1N1 strain. Health experts are advising everyone to stay vigilant against this growing threat. Some people are at higher risk of swine flu. Given the increasing cases of swine flu, people are wondering if H1N1 could trigger a new pandemic after COVID-19. We covered this in detail in a report published in Amar Ujala. Health experts say that H1N1 is a variant of the influenza A virus and often causes mild illness. But this can be problematic for young children, the elderly, those with pre-existing medical conditions, or pregnant women. Due to changes in the body during pregnancy, the flu can become severe, and some women may even need to be hospitalized. The World Health Organization (WHO) also considers pregnant women to be at higher risk for severe flu. Dangers of Swine Flu During Pregnancy - Health experts say that most people with swine flu experience symptoms such as high fever, cough, sore throat, headache, and body aches. In most cases, the flu resolves easily, but if the infection worsens in pregnant women, it can lead to serious complications such as breathing problems and pneumonia. Severe infections, especially high fever and deteriorating maternal health, can also affect pregnancy. Some studies have shown that influenza infection and high fever during pregnancy can impact the baby's health and increase the risk of premature delivery. What do experts say? Gynecologist Dr. Archana Singh explains that the risk of complications is highest during the second and third trimesters of pregnancy and up to two weeks after delivery. Any type of influenza infection can cause dehydration, premature labor, breathing difficulties, and fetal distress. A fever as high as 100.4°F during pregnancy can increase the risk of neural tube defects (such as spina bifida) and problems with the baby's heart development. Similarly, serious conditions like pneumonia during pregnancy can significantly reduce the mother's oxygen levels, which can cause serious complications for both mother and baby. In some cases, this can also increase the risk of sepsis and other infections. Studies show that pneumonia or respiratory problems during pregnancy can also increase complications related to high blood pressure. What to do if you develop an infection? Doctors say that while not all pregnant women need to worry during this swine flu season, caution is essential. Pregnant women with pre-existing conditions like diabetes, heart disease, asthma, or other chronic illnesses may increase the risk of complications. In such cases, extra caution should be exercised. Such women should not ignore signs such as high fever, persistent cough, difficulty breathing, extreme weakness, or worsening of the condition. To reduce the risks of flu during pregnancy, you should get the influenza vaccine as advised by your doctor. Vaccination not only protects the mother, but antibodies passed from mother to baby during pregnancy may also provide some protection to the baby in the initial months after birth. Regular hand hygiene, covering your mouth and nose when coughing or sneezing, and avoiding contact with infected people are essential. If you become infected, you should immediately consult a doctor instead of self-medicating.

How to Relieve Neck Pain? These 5 Yoga Poses Can Bring You Relief

If you're struggling with neck pain due to mobile phone use and laptop use, try some yoga asanas. They'll surely provide relief. Nowadays, spending hours looking at mobile phones and working on laptops has become a part of our daily lives. However, sitting in the same posture for long periods of time with your neck bent over a screen can put strain on the neck and shoulder muscles. This is why even younger people experience neck stiffness, pain, and heaviness. If you experience neck pain after prolonged use of a mobile phone or laptop, you can incorporate some simple yoga and stretching exercises into your daily routine. Regular and proper practice of light yoga can help improve flexibility and muscle mobility. Which yoga poses should you try for neck pain? 1. Gentle neck stretching: Sit up straight and relax your shoulders. Now slowly bend your neck to the right and hold it in the neutral position for a few seconds. Then repeat the same process on the left side. You can also gently move your neck up and down. Avoid jerking or applying any pressure to the neck during this process. This can help reduce stiffness caused by holding the same posture for long periods. 2. Marjari Asana - Also known as the Cat-Cow position. First, come to a tabletop position on your hands and knees. Inhale, slightly lower your back and keep your head in a comfortable position. Then, exhale, round your back upward and tuck your chin slightly inward. Perform the entire movement comfortably, avoiding excessive neck bending. This can be beneficial for spine and shoulder mobility. 3. Balasana - Sit on your knees and slowly bend your body forward. Rest your forehead on the ground or a cushion, and keep your hands relaxed in front or near your body. Continue breathing normally in this pose. Remaining in this position for a while can relax the body and help reduce tension in the shoulders. If neck pain or pressure increases during this time, stop the asana immediately. 4. Bhujangasana - Lie on your stomach and place your palms on the floor near your shoulders. Now slowly lift your chest and keep your elbows close to your body. Avoid arching your neck backward and keep your shoulders away from your ears. After remaining in this position for a few seconds, return to the comfortable position. This can be part of a yoga routine to address upper body stiffness and poor posture caused by prolonged sitting. 5. Tadasana - Stand straight and keep your feet apart. Keeping your body straight, relax your shoulders and avoid bending your head forward. Now, raise your arms overhead and gently stretch your body upward. Breathe normally for a few seconds and then slowly return to the starting position. It can help in paying attention to body posture and correcting the habit of staying in wrong posture for a long time.

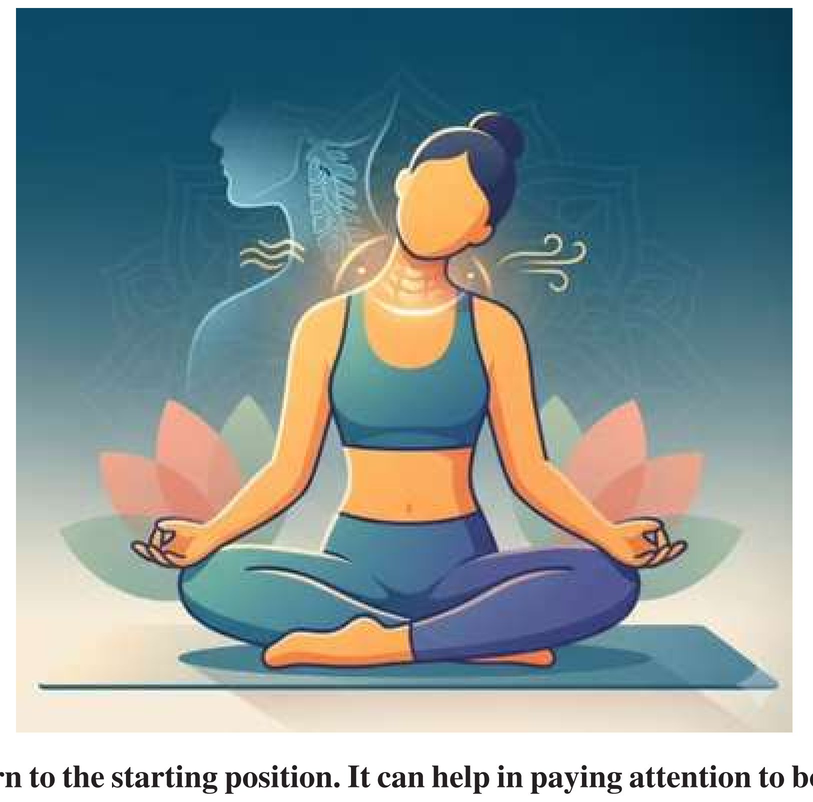

Alert: Normal cholesterol can still lead to a heart attack; lipid profile tests don't reveal this enemy.

Lipoprotein A, or L-A, is a type of cholesterol in the blood whose levels are primarily determined by genes. Elevated cholesterol levels can increase the risk of plaque, inflammation, and blood clots in the arteries. It increases the risk of heart attack and stroke and is often not detected in routine cholesterol tests. Heart disease remains a serious global health threat, killing millions of people each year. Lifestyle disorders, poor diet, and genetic conditions are generally considered the main causes of heart disease. This is why health experts advise all adults to have regular health checkups and lipid profile tests to identify the risk of heart disease early. Doctors say that in many cases, patients' cholesterol levels are normal, blood pressure and weight are also normal, and other tests don't show any major abnormalities. Nevertheless, some people may be at risk for life-threatening problems like heart attack and stroke. Health experts say that the risk of heart disease cannot be determined solely by a cholesterol or lipid profile test. There is also a hidden risk that is not visible in a normal cholesterol report. Health experts say that just because your LDL (bad cholesterol) is normal, it does not mean that heart risk is completely eliminated. The American Heart Association's new heart guidelines for 2026 also identify lipoprotein A as a major risk factor. Even if you appear completely fit and your report is normal, your arteries may be at increased risk of heart disease. Lipoprotein A: A Silent Threat to the Heart - According to the American Heart Association, one in five people may have high levels of lipoprotein A, or LPA. It is a type of particle present in the blood whose level is determined by our genes. The biggest problem is that even when the level is high, there are usually no symptoms. The new 2026 guidelines include LPA as a significant risk factor for heart disease. Health experts now recommend every adult get tested at least once in their lifetime. A single test is considered sufficient. Elevated LPA contributes to increased plaque buildup in the arteries. This can also increase inflammation and blood clots. Over time, it can narrow the arteries, blocking blood flow to the heart and brain. This increases the risk of heart attack. LPA levels are entirely genetically dependent, passed from parents to children. It's also concerning that diet, weight, or exercise have no significant impact on LPA levels. According to medical reports, the normal range for a LPA test is generally considered to be less than 30 mg/dL or 75 nanomoles/liter (nmol/L). A level above 30 mg/dL is considered a risk factor. What do cardiologists say? Cardiologist Dr. M.R. Khan explains that LPA is a silent problem that can exist in millions of people and remain hidden for long periods without any signs. Surprisingly, very few people are aware of it. Lipid profile testing doesn't include this test, so many people never realize they have elevated LPA. Therefore, it's not necessarily the case that a person with high LPA appears obese, unhealthy, or has a poor lifestyle. High LPA levels can occur even in people who appear healthy. High LPA levels are often discovered only when they suffer a sudden heart attack or stroke. Appearing fit, yet at risk: A famous American personal trainer is a prime example. At 51, he appeared quite fit and healthy. However, he suffered a sudden heart attack while exercising. Harper later revealed in an interview that doctors had given him only a six percent chance of survival. His heart had stopped beating, and he was lying on the ground. Harper later learned that the cause of his heart attack was elevated levels of LPA, a trait he inherited from his family. Both his mother and grandfather had died of heart attacks at a young age. What is LPA and what is its function in the body? LPA is a molecule that transports cholesterol through the bloodstream. It is primarily produced in the liver. Dr. Ryan Smith, a cardiologist at Orlando Health Heart and Vascular Institute, says that LPA may also have some normal roles in the body. It helps with wound healing and fighting infection.

Parineeti Chopra's son Neeraj received his first Rakhi from his sister Malti, Priyanka Chopra shared a glimpse on social media.

Parineeti Chopra and Priyanka Chopra shared a beautiful photo. The two children celebrated Rakshabandhan and sent love to each other. Bollywood actress Parineeti Chopra's son Neeraj Chadda celebrated Rakshabandhan. On Sunday, the actress shared a sweet glimpse of her son's first Rakhi. On this occasion, little Neeraj received his first Rakhi from his elder cousin and Priyanka Chopra's daughter, Malti Mary. Priyanka Chopra's daughter responded: Parineeti posted a photo of the Rakhi tied on Neeraj's tiny wrist and expressed gratitude for the love from her "Malti Didi." Priyanka Chopra later reposted the moment on her Instagram Stories and lovingly replied, "Didi loves you so much, baby Neeraj." When did Parineeti get married? Parineeti Chopra married Raghav Chaddha in 2023 in Udaipur, following Punjabi traditions. Parineeti and her husband Raghav Chaddha welcomed their son, Neer, in Delhi on October 19, 2025. Parineeti and Raghav officially revealed his name a month later, on November 19, 2025. When did Priyanka get married? Priyanka Chopra married Nick Jonas in Jodhpur in 2018. In January 2022, Priyanka Chopra became a mother via surrogacy. Despite living in the US with her husband Nick Jonas and daughter Malti, Priyanka has always adhered to her Indian traditions. Parineeti's work: Professionally, Parineeti is set to return to acting with a psychological crime thriller series for Netflix. It is currently titled "Shaak: Trust No One." Priyanka Chopra's work: Priyanka is returning to Indian cinema with the action-adventure film "Varanasi." S.S. Directed by Rajamouli and starring Mahesh Babu, the film is scheduled to release in April 2027.

Has Sunny Deol landed a new film? Rajkumar Santoshi could be the director; it has a special connection to 'Ghaatak'.

Sunny Deol is in the news for his film 'Partition 1947'. Meanwhile, news is surfacing that he may soon be seen in a new film. It could be directed by Rajkumar Santoshi. It has a connection to the 1996 film 'Ghaatak'. Released in 1996, 'Ghaatak' is one of Sunny Deol's most famous films. Now, another new film is in the works, titled 'Ghaatak Ghus Ke Maarega'. Filmmaker Rajkumar Santoshi has revealed that he is ready to reunite with Sunny Deol for his upcoming film "Ghaatak Ghus Ke Maarega." He also revealed that the Bollywood star will play a character similar to the one in his famous 90s action film "Ghaatak." Santoshi has worked with Sunny Deol. The director and actor duo recently collaborated on the Partition film "Partition 1947," marking their comeback after 30 years. In the 90s, they delivered box office hits like "Ghayal," "Damini," and "Ghaatak." What details did the director provide? Santoshi told PTI, "Sunny and I are working on a few stories, and we will make a formal announcement soon. The film is full of action. It's titled 'Ghaatak Ghus Ke Maarega.' It's not a sequel, but the character is the same." Several projects are in the works. Santoshi further added, "Sunny's fans will be happy because this new film includes... There's action, powerful dialogue, and emotion. Besides this film, two or three more stories starring Sunny Leone are in the pipeline. For example, in one film, Sunny plays a Sardar in America, which is also an action-drama. About "Ghaatak": Rajkumar Santoshi's 1996 action-drama "Ghaatak" is the story of an honest man. The story and dialogues were also written by Rajkumar Santoshi. In addition to Sunny Deol, the film starred Meenakshi Seshadri, Danny Denzongpa, Amrish Puri, Mukesh Rishi, and K.K. Raina. Made at a cost of ?6.25 crore (approximately $1.2 million USD), the film grossed ?32.7 crore (approximately $1.2 million USD USD) at the box office. When was "Partition 1947" released? Released on August 14th, "Partition 1947" starred Sunny Deol, Preity Zinta, Karan Deol, Ali Fazal, and Abhimanyu Singh. Produced by Aamir Khan Productions, the film did not perform well at the box office.

Manoj Bajpayee reacts to Samay Raina's "Bihari joke" controversy; shares an anecdote about himself. Find out what he said.

Samay Raina is once again in the news for his controversial remarks. He made a comment about "Biharis" on his show "India's Got Latent 2." Manoj Bajpayee has responded to this. Comedians Samay Raina and Sharon Verma made comments about Biharis and Kashmiri Pandits in a recent episode of "India's Got Latent 2," sparking controversy. Both made offensive comments in jest. Manoj Bajpayee has now responded to this. He also recounted an incident that happened to him in Delhi early in his career. What did Manoj Bajpayee say? - Manoj Bajpayee says that people should learn to laugh at themselves without feeling offended or angry. He spoke about this issue during the promotion of his upcoming film "Last Man in the Tower." Speaking to news agency IANS, Manoj Bajpayee said he has no problem with this, provided the intention isn't harmful. The actor said, "If it's all happening in a joking manner, then I really don't have a problem. We should learn to laugh at ourselves and each other. Laugh together and still not feel offended or angry." "We should learn to tolerate being laughed at." Manoj Bajpayee further said, "We should learn to tolerate being laughed at. But we should also have respect, not just for ourselves, but for the person we're sitting with and the place they come from. This is very important. If two people are comfortable with each other, they always laugh at each other." Manoj Bajpayee recounted an old story. Speaking on this matter, Manoj also shared a personal anecdote. It was from his early days in Delhi. He said, "When I was in Delhi, I was 18 years old. I was trying to get on the bus through the front door, as it was my first experience. I didn't know the city's rules. The driver looked at me and yelled, "Hey, Bihari, get on through the back door." The actor explained, "The driver didn't know I was from Bihar, but I actually was. Therefore, anyone who made the same mistake for him was from Bihar. I didn't feel bad about it because, firstly, he was right about me being from Bihar. Second, I wasn't wrong either, as I was new to the city and completely unaware of things here. But when I made friends with people from different states, we would laugh at each other's jokes." When will Manoj's film release? Manoj Bajpayee said, "We never felt bad or hurt. But yes, the problem arises when someone from outside causes trouble for you or your community. That's when it becomes a problem." Until that happens, we should be able to laugh at each other and ourselves. This is a sign of a very healthy society. Manoj's film "Last Man in the Tower" will be released on September 11, 2026. What is the controversy surrounding Samay? In a recent episode of Samay Raina's show "India's Got Latent 2," Sharon Verma and Samay Raina made humorous comments about each other's states. Samay, referring to Sharon's Bihari origin, jokingly said that he thinks "Ebola" means "A Bola." Sharon, meanwhile.